माध्यमिक अंग्रेज़ी

रचनात्मक मूल्यांकन के ज़रिए भाषा सीखने में सहायता करना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)।* मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE13v1
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन- शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है.
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

मैं अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेजी में प्रगति का मूल्यांकन करने के विभिन्न तरीके इस्तेमाल करना चाहती हूँ, लेकिन इतने सारे छात्र–छात्राओं और अपर्याप्त समय के कारण यह काम कठिन हो रहा है! साथ ही, मैं अपनी कक्षाओं में बोलने और सुनने की अधिक गतिविधियों का उपयोग कर रही हूँ और मुझे पता नहीं है कि मैं इन कौशलों का मूल्यांकन कैसे करूँ। मैं अपने छात्र–छात्राओं के भाषा सीखने का मूल्यांकन और सीखने में उनकी सहायता कैसे कर सकती हूँ?

यह इकाई रचनात्मक मूल्यांकन के माध्यम से आपके छात्र–छात्राओं के भाषा सीखने की सहायता करने के बारे में है। इस तरह का मूल्यांकन सतत् होता है और सारे विद्यालयी वर्ष के दौरान नियमित रूप से किया जाता है। रचनात्मक मूल्यांकन का मतलब है प्रत्येक छात्र–छात्रा से विविध प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से जानकारी एकत्र करना, जो उनके सीखने और प्रगति का मूल्यांकन करने में आपकी मदद करता है। इसलिए इससे आपको उन छात्र–छात्राओं को पहचानने में, जो कठिनाई में हैं, और उनकी सहायता करने के लिए अपने अध्यापन को समायोजित करने में मदद मिलेगी। इसी तरह, यह आपको उन छात्र–छात्राओं को पहचानने का अवसर देगी जो अच्छा काम कर रहे हैं और उनकी प्रगति के लिए आप चुनौतीपूर्ण शिक्षण अवसर प्रदान कर सकेंगे और भिन्न प्रकार की शिक्षण सामग्रियों का उपयोग कर सकेंगे। रचनात्मक मूल्यांकन को Right to Education Act 2009 द्वारा एक पाठ्यक्रम के अंश के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है जो छात्र–छात्रा का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करता है।

यह इकाई दर्शाती है कि आप अपने नियमित कक्षा अध्यापन के दौरान अंग्रेजी का मूल्यांकन कैसे कर सकते हैं। यह विभिन्न भाषा कौशलों पढना, सुनना, बोलना एवं लिखना का मूल्यांकन करने के बारे में कुछ अवधारणाएं प्रदान करती है। इसमें बड़ी कक्षाओं के भी रचनात्मक मूल्यांकन का प्रबंधन करने के लिए कुछ सुझाव हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अपने नियमित कक्षा अध्यापन के दौरान भाषा सीखने का मूल्यांकन कैसे करें।
- अपने छात्र–छात्राओं के अंग्रेज़ी पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने के कौशलों का मूल्यांकन कैसे करें।

आपको रचनात्मक मूल्यांकन पर क्यों विचार करना चाहिए

कई शिक्षक/शिक्षिका अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेजी में निपुणता का मूल्यांकन परीक्षाओं के माध्यम से करते हैं जो वार्षिक विद्यालय कैलेंडर में नियमित रूप से संचालित की जाती हैं, और विद्यालयी वर्ष के अंत में एक अंतिम (फाइनल) परीक्षा होती है। परीक्षाएं इस बारे में जानकारी एकत्र करने का अच्छा तरीका हो सकते हैं कि छात्र–छात्रा क्या जानते हैं, लेकिन वे आपके अध्यापन को सूचित करने में कम उपयोगी होते हैं।

सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं को सारे वर्ष अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेजी शिक्षा और प्रगति को सुधारने की चिंता और रुचि होती है। ऐसा करने के लिए आपको सारे स्कूली वर्ष के दौरान रचनात्मक मूल्यांकन करने की जरूरत होती है, जो सतत् – चलते रहने वाला – मूल्यांकन होता है। इसका अर्थ है शिक्षण के निदान, उपचारात्मक कार्यवाही और समृद्धि के लिए नियमित कक्षा अध्यापन के दौरान प्रत्येक छात्र–छात्रा की प्रगति का मूल्यांकन करना। इसमें शामिल हो सकता है:

- सामान्य कक्षा गतिविधियाँ करते समय अपने छात्र–छात्राओं का प्रेक्षण (observations) करना, और अपने प्रेक्षणों (observations) से नोट्स बनाना
- कक्षा या गृहकार्य के आबंटनों को ग्रेड करना और ग्रेडों के रिकार्ड रखना

- छात्र–छात्राओं के कार्य (लिखित, कला, परियोजनाएं आदि) के नमूने पोर्टफ़ोलियो में रखना
- लघु अनौपचारिक परीक्षाएं लेना और ग्रेडों का रिकार्ड करना।

इस प्रकार का मूल्यांकन यह समझने में आपकी मदद करेगा कि कौन छात्र–छात्रा अंग्रेजी के अलग-अलग क्षेत्रों में कितना अच्छा कर रहा है। इससे आपको यह देखने में भी मदद मिलेगी कि छात्र–छात्राओं को वैयक्तिक रूप से क्या कठिनाइयाँ हो रही हैं, ताकि आप उनके कौशलों और चिंतन को विकसित करने वाली गतिविधियों की योजना बना सकें।

1 कक्षा के नियमित अध्यापन में भाषा सीखने का मूल्यांकन करना

कक्षा में नियमित अध्यापन के दौरान छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन संभव है। जब वे सामान्य कार्य और गतिविधियाँ करते हैं तब आप उनका प्रेक्षण (observation) कर सकते हैं। यहाँ ऐसी गतिविधियों और उनका उपयोग करके जानकारी एकत्र करने के तरीकों के कुछ उदाहरण प्रस्तुत हैं जिनका उपयोग आप अपने छात्र–छात्राओं के मूल्यांकन के लिए कर सकते हैं। (आप इनमें से कई गतिविधियों के बारे में अन्य माध्यमिक अंग्रेजी इकाइयों में पढ़ सकते हैं।)

- जब छात्र–छात्रा जोड़ियों में काम करते हैं – जैसे एक दूसरे से वाक्य लिखवाना, या रोल प्ले या साक्षात्कार जैसी बोलने की गतिविधियाँ करना – तब आप गतिविधि को सुन, देख और उसके पहलुओं के बारे में नोट्स बना सकते हैं (उदाहरण के लिए, उच्चारण के बारे में)।
- पाठ को पढने या पाठ्यपुस्तक के नए अध्याय को शुरू करने से पहले, आप छात्र–छात्राओं से विषय के बारे में प्रश्न पूछ सकते हैं (उदाहरण के लिए, कोई विवाह जिसमें वे सम्मिलित हुए थे या उनके पसंदीदा खेल नायक)।
- जब भी आप पूरी कक्षा से प्रश्न पूछते हैं, या छात्र–छात्राओं को सुझाव देने के लिए आमंत्रित करते हैं, आप देख सकते हैं कि कौन योगदान करता है और उसके द्वारा प्रयुक्त भाषा नोट कर सकते हैं।
- जब छात्र–छात्रा किसी पाठ पर प्रतिक्रिया करते हैं (उदाहरण के लिए, बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर देना) और वैयक्तिक रूप से, जोड़ियों में या समूहों में काम करते हैं, तब आप कक्षा में घूम सकते हैं और नोट कर सकते हैं कि प्रश्नों के उत्तर देने में किसे कठिनाई हो रही है।
- कुछ नई शब्दावली या व्याकरण पढ़ाने के बाद, आप शब्दों या व्याकरणात्मक संरचना के बारे में एक त्वरित, लघु परीक्षा ले सकते हैं (उदाहरण के लिए, छात्र–छात्राओं से वाक्यों के बीच के खाली स्थानों को भरने के लिए कहना)।
- यदि छात्र–छात्रा शब्दावली लॉगबुक या साहित्यिक लॉगबुक बना रहे हैं, तो आप उन किताबों की समीक्षा करके संभवतः उन्हें ग्रेड कर सकते हैं।
- छात्र–छात्राओं द्वारा किए गए प्रॉजेक्ट वर्क को आप वैयक्तिक रूप से या समूहों में ग्रेड कर सकते हैं (उदाहरण के लिए, विज्ञापन को डिजाइन करना, कक्षा का अखबार लिखना या किसी टीवी कार्यक्रम का प्रकरण लिखना)।
- जब छात्र–छात्रा सुनने की गतिविधि करते हैं – जैसे निर्देशों को सुनना और चित्र बनाना, उनके द्वारा सुने गए गद्यांश के बारे में प्रश्नों का उत्तर देना, या किसी पाठ का सारांश लिखना – आप कमरे में घूम सकते हैं और देख सकते हैं कि किन्हे करने में दिक्कत हो रही है और कौन अच्छा कर रहे हैं। आप पूरे किए गए काम को ग्रेड करने के लिए ले सकते हैं।

यह सूची दर्शाती है कि ऐसे कई अलग तरीके हैं जिनसे आप अपने सामान्य शिक्षण के दौरान अपने छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन कर सकते हैं – आपको अपने छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास और गतिविधियाँ शामिल करने की जरूरत नहीं है। विविध प्रकार के सामान्य अभ्यासों और गतिविधियों के उपयोग से सुनिश्चित होता है कि आप भाषा सीखने के सभी पहलुओं का मूल्यांकन करते हैं: शब्दावली और व्याकरण के साथ सुनना, पढ़ना, बोलना और लिखना।

आपको लग सकता है कि छात्र–छात्राओं की बड़ी संख्या के साथ रचनात्मक मूल्यांकन करना कठिन है। लेकिन प्रत्येक कक्षा में प्रत्येक छात्र–छात्रा पर ध्यान देना जरूरी नहीं है – आप किसे प्रतिपुष्टि (feedback) देंगे और हर बार किन विभिन्न छात्र–छात्राओं का काम लेगें यह आप बारी बारी से कर सकते हैं। छात्र–छात्रा अपने या दूसरे के काम का मूल्यांकन भी कर

सकते हैं। संसाधन 1 में आगे के सुझाव हैं कि बड़ी कक्षाओं को पढ़ाते समय आप अपने प्रत्येक छात्र–छात्रा के बारे में जानकारी कैसे एकत्र कर सकते हैं।

जानकारी और सबूत एकत्र करने और दर्ज कर लेने के बाद, उसकी व्याख्या करना महत्वपूर्ण होता है ताकि इस समझ पर पहुँचा जा सके कि प्रत्येक छात्र कैसे सीख और प्रगति कर रहा है। फिर आपको अपनी खोज पर कार्रवाई करके शिक्षण को सुधारना होगा, जिसके लिए आप छात्र–छात्राओं को प्रतिपुष्टि (feedback) दे सकते हैं या नए संसाधन खोज सकते हैं या समूहों को पुनर्व्यवस्थित कर सकते हैं, या किसी शिक्षण बिंदु को दोहरा सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपने देखा है कि कुछ छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी के कतिपय भागों के साथ समस्या हो रही है (जैसे भूत काल का प्रयोग), तो आप उन छात्र–छात्राओं को भविष्य के पाठों में कालों (tenses) का उपयोग करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास दे सकते हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन विशिष्ट और विभेदित सीखने की गतिविधियाँ स्थापित करके प्रत्येक छात्र–छात्रा को सीखने के सार्थक अवसर प्रदान करने में आपकी मदद कर सकता है, जिसमें उन छात्र–छात्राओं पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें अधिक मदद चाहिए और अधिक उन्नत छात्र–छात्राओं को चुनौती दी जाती है। अधिक जानकारी के लिए, नीचे दिया गया वीडियो देखें और संसाधन 2, 'प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना' देखें।

वीडियो: प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

केस स्टडी 1: श्री संजीव कक्षा के नियमित अध्यापन के दौरान अपने छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करते हैं

श्री संजीव एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10 को अंग्रेजी पढ़ाते हैं। उन्होंने अपने स्थानीय DIET में मूल्यांकन पर एक प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया और रचनात्मक मूल्यांकन के लाभों के बारे में सीखा। उन्होंने अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेजी में प्रगति का रिकार्ड (नोट्स और ग्रेड) रखने के लिए एक नोटबुक खरीदने का निश्चय किया।

अपनी नोटबुक खरीदने के बाद, मैंने अपने सभी छात्र–छात्राओं के नाम लिखे और प्रत्येक के बारे में नोट्स बनाने लगा। शुरू में, मैंने पाया कि मेरे नोट्स प्रायः समान छात्र–छात्राओं के बारे में ही होते थे। इससे मुझे पता चला कि मैं नहीं देख रहा था कि मेरी कक्षा के कुछ छात्र–छात्रा कैसा काम कर रहे हैं, विशेष रूप से कमरे के पीछे की ओर बैठने वाले शाँत छात्र–छात्रा। नोटबुक ने मुझे बताया कि मुझे कक्षा के सभी सदस्यों के बारे में पता लगाना शुरू करने की जरूरत है।

मैं यह देखने के लिए अधिक प्रयास करने लगा कि कक्षा में हर कोई कैसे काम कर रहा है। आपको मैं एक उदाहरण देता हूँ। हाल ही में, मेरे छात्र–छात्रा कुछ बोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर जोड़ियों में लिख रहे थे [संसाधन 3 की गतिविधि देखें]। जब वे अपने उत्तरों पर चर्चा करने और लिखने लगे, तो मैं एक जोड़ी के पास गया और उनकी चर्चा को सुनने लगा। ऐसा लगा कि उन्हें उत्तर की अच्छी अवधारणा है, इसलिए मैं दूसरी जोड़ी के पास गया। इस बार, यह स्पष्ट था कि एक छात्र, रमेश को इस प्रश्न के साथ कठिनाई हो रही थी: 'Anne says teachers are most unpredictable. Is Mr Keesing unpredictable? How?'

क्या परेशानी है, रमेश?

मुझे शब्द 'unpredictable' समझ में नहीं आ रहा है। इसका क्या मतलब है?

इसका मतलब है आप नहीं जानते कि कोई आगे क्या करने जा रहा है। चलिए देखते हैं कि शिक्षक/शिक्षिका क्या करते है ... वे सबसे पहले क्या करते है?

मुझे नहीं पता। 'assigned' क्या है?

मैंने उन शब्दों और वाक्यों को समझाया जो रमेश को प्रश्न का उत्तर देने में सक्षम होने से रोक रहे थे। फिर मैं अपनी डेस्क पर लौटा, और अपनी नोटबुक में उसके बारे में और इस विषय में एक नोट लिखा कि मैं भविष्य में उसकी सीखने की प्रक्रिया में कैसे बेहतर सहायता कर सकता हूँ [तालिका 1]।

तालिका 1: *रमेश की सीखने की प्रक्रिया पर श्री संजीव के नोट्स।*

नाम	तारीख	गतिविधि	टिप्पणी/ग्रेड
रमेश	09/04	अध्याय 4 – पढ़ने का अभ्यास	पाठ के बारे में प्रश्नों का उत्तर देने में कठिनाई महसूस करने लगता है – शब्दावली को समझने में कुछ समस्याएं हुईं। क्या उसके पढ़ने के लिए अधिक सरल पाठों की खोज करनी होगी?

बेशक, मैं प्रत्येक छात्र–छात्रा के बारे में प्रत्येक कक्षा में नहीं लिख सकता, लेकिन जब संभव होता है तब मैं नोट्स बनाता हूँ, और सत्र के साथ-साथ धीरे-धीरे मुझे प्रत्येक छात्र–छात्रा की बेहतर समझ होने लगी है। तो उदाहरण के लिए, मैं देख सकता हूँ कि रमेश को किताब में पाठों को समझने में प्रायः समस्या होती है। यह देखने के लिए कि उसके पढ़ने के कौशल को सुधारने में मैं उसकी कैसे मदद कर सकता हूँ मैं उससे बात करने की योजना बना रहा हूँ। उदाहरण के लिए, शायद वह घर पर मेरे द्वारा पहचाने गए कुछ अधिक सरल पाठ पढ़ सकता है, या संभव है मैं उसकी जोड़ी सीता के साथ बना सकता हूँ जो उसकी मित्र है और पढ़ने में उससे बेहतर है, ताकि वह उसकी मदद कर सके।

नोटबुक का उपयोग शुरू करने के बाद से, मैंने पाया है कि मैं अपनी कक्षा के प्रत्येक छात्र–छात्रा के बारे में अधिक सीख रहा हूँ। और कभी-कभी मैं छात्र–छात्राओं से वे प्रश्न पूछता हूँ जो मैं पहले नहीं पूछता था, क्योंकि मैं जानना चाहता हूँ कि वे सभी कैसे पढ़ रहे हैं। मेरा ख्याल है इससे छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी सीखने में भी मदद मिल रही है। उदाहरण के लिए, मुझे नहीं लगता कि पहले मैं रमेश की बहुत ज्यादा मदद करता था। ईमानदारी से कहूँ, तो मुझे पता नहीं था कि उसे पढ़ने में कठिनाई हो रही थी। अब मुझे आशा है कि मैं उसके पढ़ने के कौशल को सुधारने में उसकी मदद कर सकता हूँ।

अचरज की बात है कि, मुझे पता चला कि नोटबुक का उपयोग करने से मुझे अन्य तरीकों से भी फायदा हुआ जैसे विश्लेषण करना कि कौन छात्र–छात्रा क्या कर सकता है या उसे क्या कठिन लगता है, इत्यादि। इससे मुझे छात्र–छात्राओं और उनके अभिभावकों को पक्की प्रतिक्रिया देने में मदद मिलती है, ताकि हर एक को इस बात का बेहतर बोध मिलता है कि क्या चीज छात्र–छात्रा अच्छी तरह से करते हैं और किस चीज पर उन्हें मेहनत करने और सुधार करने की जरूरत है। अंत में, अपने छात्र–छात्राओं के सीखने के बारे में जानकारी को एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने से मुझे मेरी अपनी अध्यापन पद्धतियों और मेरे द्वारा प्रयुक्त सामग्रियों पर विचार करने का अवसर मिला, और मुझे यह सोचने पर मजबूर किया है कि मैं अपने छात्र–छात्राओं को अधिक आसान और बेहतर ढंग से कैसे पढ़ा सकता हूँ ताकि उनमें से हर एक सीख सके।

गतिविधि 1: कक्षा में आजमाएं – रिकार्ड रखने के लिए डायरी का उपयोग करना

कोई भी शिक्षक/शिक्षिका कार्य-प्रदर्शन के रिकार्ड और छात्र–छात्राओं के बारे में ग्रेड रखने के लिए नोटबुक या डायरी का उपयोग कर सकता है। यदि आप पहले से रिकार्ड नहीं रखते हैं, तो एक डायरी शुरू करें जिसमें आप छात्र–छात्राओं के बारे में नियमित नोट्स लिख सकते हैं और उनके ग्रेडों के रिकार्ड रख सकते हैं। जब आप रिकार्ड रखते हैं, तो सोचें कि आप प्रत्येक छात्र–छात्रा की उसके सीखने में सहायता कैसे कर सकते हैं। यदि कोई छात्र–छात्रा अच्छा कर रहा है, तो आप उसे कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं और ऐसा काम दे सकते हैं जिससे वह सीखना जारी रख सके? यदि छात्र–छात्रा को कठिनाई हो रही है, तो आप उसकी सहायता कैसे करेंगे?

अपनी डायरी कम से कम एक महीने तक रखें और इन प्रश्नों का उत्तर दें:

- **सप्ताह 1 के बाद:** अपनी नोटबुक का उपयोग करना कितना आसान है? यदि यह कठिन है, तो प्रक्रिया को अधिक आसान बनाने के लिए आप क्या परिवर्तन कर सकते हैं? कम नोट्स बनाने, प्रत्येक कक्षा में कुछ छात्र–छात्राओं का

प्रेक्षण (observation) करने, टिप्पणियों की सरल सूची का उपयोग करने या नोट्स के लिए संख्याओं या चित्रों जैसे संकेतों का उपयोग करने पर विचार करें (उदाहरण के लिए, ☺, ☹)

- **सप्ताह 2 के बाद:** क्या ऐसे कोई छात्र–छात्रा हैं जिनके रिकार्ड आपके पास नहीं हैं? कौन हैं ये? अगले सप्ताह इन छात्र–छात्राओं का प्रेक्षण (observation) करने का प्रयास करें, या उनसे कुछ काम लें। उनके नोट्स या ग्रेडों को अपनी नोटबुक में जोड़ें।
- **सप्ताह 3 के बाद:** अपनी नोटबुक पर नज़र डालें। कौन से छात्र–छात्रा (आपके नोट्स और ग्रेडों के अनुसार) कठिनाई महसूस करते लग रहे हैं? उन्हें किस चीज में कठिनाई हो रही है? (उदाहरण के लिए, पढ़ना, शब्दावली, व्याकरण।) आप उनकी सहायता कैसे कर सकते हैं? आप अपने अध्यापन में क्या परिवर्तन करेंगे जिससे उन्हें बेहतर सीखने में मदद मिल सकती है?

छात्र–छात्राओं को कई विभिन्न कारणों से कठिनाई होती है। यह पता लगाने के लिए छात्र–छात्रा से बात करना महत्वपूर्ण है कि वह किन समस्याओं का सामना कर रहा है ताकि आप मदद करने के तरीके सोच सकें। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि आप उनके काम के बारे में स्पष्ट और सरल कार्यवाही बिंदुओं में प्रतिक्रिया प्रदान करें ताकि छात्र–छात्रा जान सके कि सुधार करने के लिए उसे क्या उपाय करने होंगे। इससे आपको छात्र–छात्रा की मदद करने के तरीकों की योजना बनाने में भी मदद मिलेगी। शायद आप उन्हें घर पर करने के लिए अतिरिक्त अभ्यास दे सकते हैं; या कक्षा में करने के लिए कोई अलग अभ्यास दे सकते हैं। हो सकता है छात्र–छात्रा कक्षा में किसी अन्य छात्र–छात्रा के साथ काम कर सकता है जो उसकी मदद कर सके।

अपने छात्र–छात्राओं के बारे में रिकार्ड रखने के लिए डायरी का उपयोग करने की कुंजी है उस तरीके का पता लगाना जो आप और आपके छात्र–छात्राओं के लिए उपयुक्त है।
यदि आपके पास बहुत सारे छात्र हैं, तो उन सभी के बारे में हर सप्ताह ढेर सारे नोट्स बनाना संभव नहीं होगा।
आपको यथार्थवादी होना पड़ेगा! अपने सभी छात्र–छात्राओं के बारे में एक समयावधि – उदाहरण के लिए, एक सत्र – में नोट्स प्राप्त करने का प्रयास करें। और सुनिश्चित करें कि आप अपने छात्र–छात्राओं और उनके मातापिता को सूचित करें कि वे कैसे काम कर रहे हैं, ताकि वे अपनी शक्तियों और कमजोरियों के प्रति सजग रहें और सुधार करने के लिए कदम उठा सकें।

यह काम करने के बारे में अधिक जानने के लिए, पढ़ें संसाधन 4, 'अनुश्रवण (monitoring) करना एवं प्रतिपुष्टि (feedback) देना '।

वीडियो: अनुश्रवण (monitoring) करना और प्रतिपुष्टि (feedback) देना

2 अपने छात्र–छात्राओं के अंग्रेज़ी पढ़ने और सुनने के कौशल का मूल्यांकन कैसे करें

पढ़ने और सुनने के कौशल का मूल्यांकन करना कठिन हो सकता है। जब छात्र–छात्रा अंग्रेजी में बोलते या लिखते हैं, तब वे जो कहते हैं आप उसे सुन या वे जो लिखते हैं उसे पढ़ सकते हैं। तथापि, जब वे अंग्रेजी पढ़ते या सुनते हैं, तब यह जानना कठिन होता है कि क्या वे समझते हैं। तालिका 2 ऐसी कुछ गतिविधियाँ दर्शाती है जिन्हें आप इस बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए कर सकते हैं कि आपके छात्र–छात्राओं ने पाठ को पढ़ते या सुनते समय क्या समझा है। ये गतिविधियाँ कक्षा में नियमित अध्यापन के दौरान, या रचनात्मक मूल्यांकन का हिस्सा बनने वाली अनौपचारिक परीक्षाओं के रूप में की जा सकती हैं।

तालिका 2 *आपके छात्र–छात्रा अंग्रेजी में जो कुछ समझते हैं उसका मूल्यांकन करना।*

गतिविधि	उदाहरण
बोध संबंधी प्रश्न	छात्र–छात्रा अंग्रेजी में गद्यांश को सुनते या पढ़ते हैं, और उसके बारे में प्रश्नों के उत्तर देते हैं। आप पाठ्यपुस्तकों के प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं, खुद लिख सकते हैं, या छात्र–छात्राओं से प्रश्न लिखने को भी कह सकते हैं। प्रश्न और उत्तर अंग्रेजी में या अपने घर की भाषा में हो सकते हैं। यह उन छात्र–छात्राओं के लिए बहुत लाभदायक हो सकता है जो पाठों को अच्छी तरह से पढ़ या सुन सकते हैं, लेकिन अंग्रेजी में लिखने में कठिनाई महसूस करते हैं। यदि वे अपने घर की भाषा में लिख सकते हैं, तो वे कह सकते हैं कि उन्होंने समझ लिया है। यह छात्र–छात्राओं द्वारा पढ़ना या लिखना शुरू करने से पहले प्रश्नों की समीक्षा करने के लिए उपयोगी हो सकता है, ताकि वे जान लें कि उन्हें खोजने या सुनने के लिए क्या चाहिए।
सारांश लिखना	छात्र–छात्रा अंग्रेजी में गद्यांश सुनते या पढ़ते हैं और जो कुछ समझते हैं उसके बारे में सारांश लिखते हैं। इसे घर की भाषा में लिखा जा सकता है ताकि आप छात्र–छात्रा के लेखन कौशल का नहीं बल्कि इस बात का मूल्यांकन करते हैं कि क्या उन्होंने जो कुछ सुना या पढ़ा है उसे समझ लिया है। आप छात्र–छात्राओं को सुनते या पढ़ते समय नोट्स लेने को प्रोत्साहित कर सकते हैं। वे इन नोट्स का उपयोग सारांश लिखने के लिए कर सकते हैं।

गतिविधि	उदाहरण
चर्चाएं	छात्र–छात्रा उस चीज के बारे में बातचीत कर सकते हैं या लिख सकते हैं जिसे उन्होंने पाठ में रोचक या आनंददायक पाया था। यह पूरक रीडरों के पाठों के साथ खास तौर पर उपयोगी हो सकता है। वे अंग्रेजी में या घर की भाषा में चर्चा कर सकते हैं, क्योंकि ऐसा करने का उद्देश्य यह पता लगाना है कि उन्होंने क्या समझा है।

कुछ शिक्षक/शिक्षिका ऊँची आवाज में पढ़ने को अपने छात्र–छात्राओं के पठन कौशल का मूल्यांकन करने के तरीके के रूप में उपयोग करते हैं। तथापि, इस तकनीक का इस उद्देश्य के लिए उपयोग करने के साथ कुछ समस्याएँ होती हैं क्योंकि इससे आपको वास्तव में पता नहीं चलता कि आपके छात्र–छात्राओं ने गद्यांश के बारे में कितना समझा है। वास्तव में, यह छात्र–छात्राओं के उच्चारण कौशल की परीक्षा अधिक है।

कुछ शिक्षक/शिक्षिका छात्र–छात्राओं से बोलने, सुनने और लिखने का अभ्यास करवाने के लिए श्रुतिलेख (dictation) का उपयोग करते हैं। श्रुतिलेखों (dictations) की जाँच और ग्रेड करना आसान होता है, और छात्र–छात्रा स्वयं अपने और एक दूसरे के काम को जाँच सकते हैं। तथापि, श्रुतिलेखों (dictations) में, छात्र–छात्रा प्रायः जो कुछ कहा जाता है उसके अर्थ पर ध्यान नहीं देते हैं, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप अन्य गतिविधियाँ भी करें यदि आप अपने छात्र–छात्राओं के सुनने के कौशल की अच्छी अवधारणा पाना चाहते हैं।

आपके छात्र–छात्राओं के पढ़ने और सुनने की क्षमताओं का बोध पाने के लिए, आपसे जितने हो सकें उतने भिन्न पाठों के साथ विविध प्रकार की गतिविधियाँ करना सबसे अच्छा होगा। ये पाठ पाठ्यपुस्तक, पूरक रीडर या किसी भी अन्य पाठ (जैसे कहानी या अखबार का लेख) से लिए जा सकते हैं। सुनने के लिए, आप इनमें से किसी का भी एक लघु खंड पढ़ सकते हैं। यदि आपको रेडियो या स्पीकर वाला मोबाइल फोन उपलब्ध हो, तो आप ऑडियो रिकार्डिंग बजा सकते हैं। जब भी कभी आप ऐसी कोई गतिविधि करें, तब छात्र–छात्राओं को पाठ को पढ़ने के लिए बहुत सारा समय दें, और छात्र–छात्राओं को गद्यांशों को एक से अधिक बार सुनने दें।

गतिविधि 2: कक्षा में आजमाएं – अपने छात्र–छात्राओं के सुनने और पढ़ने के कौशल का मूल्यांकन करने की योजना बनाना

उपरोक्त पाठ में, आपने विविध प्रकार की तकनीकों के बारे में पढ़ा जिनका उपयोग आप कक्षा में अपने नियमित अध्यापन में अपने छात्र–छात्राओं के पढ़ने और सुनने के कौशल का मूल्यांकन करने के लिए कर सकते हैं (जैसे सारांश लिखना, श्रुतिलेख, आदि)। नीचे दी गई तालिका की प्रतिलिपि बनाएं और अगले महीने में आप तकनीकों का उपयोग कैसे करने जा रहे हैं उसमें भरें। आपको संसाधन 5 में उदाहरणों के साथ एक पूरी की हुई तालिका मिलेगी।

तालिका 3 *अपने छात्र–छात्राओं के सुनने और पढ़ने के कौशल का मूल्यांकन करने की योजना बनाने के लिए एक फार्म।*

कक्षा और अध्याय	

सप्ताह	गतिविधि	मैं इस गतिविधि के दौरान छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन किन तरीकों से करूँगा?	एक प्रतिक्रिया के रूप में मैं अपने शिक्षण को कैसे संशोधित करूँगा?
1			
2			
3			
4			

ज़रा सोचिए

अपनी योजना का अनुसरण एक महीने तक कर लेने के बाद, इन प्रश्नों का उत्तर दें। हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ उन पर चर्चा करें।

- वे विभिन्न तरीके क्या थे जिनसे आपने अपने छात्र–छात्राओं के पढ़ने और सुनने के कौशल का मूल्यांकन किया? क्या आप अपने सभी छात्र–छात्राओं के पढ़ने और सुनने के कौशल का मूल्यांकन कर सके?
- आपके प्रेक्षणों (observations) और नोट्स ने आपके छात्र–छात्राओं के सीखने तथा पढ़ने और सुनने में प्रगति में सहायता करने में आपकी मदद कैसे की?
- क्या आपने छात्र–छात्राओं को फीडबैक प्रदान की? क्या इस फीडबैक ने सुधरने में उनकी मदद की?

यदि आपकी कक्षा बड़ी है, तो एक महीने की अवधि में अपने सभी छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करना बहुत कठिन हो सकता है। आपकी डायरी यह देखने में आपकी मदद करेगी कि किन छात्र–छात्राओं का प्रेक्षण (observation) आपने नहीं किया है। आपसे जितने हो सकें उतने करें, और सुनिश्चित करें कि आप हर बार समान छात्र–छात्राओं पर केंद्रित न रहें। छात्र–छात्राओं को जोड़ी या समूह कार्य मे एक दूसरे का मूल्यांकन करने में और स्व-मूल्यांकन में शामिल करना भी संभव हो सकता है।

आपके प्रेक्षण (observation) यह देखने में आपकी मदद करेंगे कि किन छात्र–छात्राओं को मदद चाहिए, और आप अपने अध्यापन का तदनुसार योजना बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, संभवतः आपके कुछ छात्र–छात्राओं ने श्रुतलेख में बहुत

अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आप उन शब्दों या व्याकरण बिंदुओं पर ध्यान दे सकते हैं जिनमें उन्हें कठिनाई होती है। आपको अपने प्रेक्षण (observation) अपने छात्र–छात्राओं को स्पष्ट प्रतिक्रिया के रूप में सूचित कर सकते हैं, ताकि उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों की अच्छी जानकारी हो सके। सुनिश्चित करें कि आपके छात्र–छात्राओं को पता हो कि वे क्या अच्छा कर रहे हैं, और साथ ही यह कि किन क्षेत्रों में उन्हें सुधरने की जरूरत है। इस बारे में उन्हें स्पष्ट सुझाव दें कि वे सुधरने के लिए क्या कर सकते हैं।

यदि आप योजना बनाते हैं तो आपके छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन अधिक आसान होगा। उस तरह, आप देख सकते हैं कि आप क्या करने जा रहे हैं, और कब और कैसे आप उसे करने जा रहे हैं। यदि आपकी योजना सफल न हो तो, एक और योजना बनाएं और कुछ अलग तकनीकें आजमाएं। देखें कि आप और आपकी कक्षा के लिए क्या उपयोगी है। सबसे महत्वपूर्ण बात है प्रयास करते रहना। आप उपरोक्त ढाँचे का उपयोग बोलने और लिखने की मूल्यांकन की योजना बनाने के लिए भी कर सकते हैं।

3 अपने छात्र–छात्राओं के अंग्रेज़ी बोलने के कौशल का मूल्यांकन कैसे करें

बोलना अंग्रेजी सीखने का प्रायः एक ऐसा क्षेत्र होता है जिसका आम तौर पर मूल्यांकन नहीं किया जाता है। तथापि, बोलना छात्र–छात्राओं के विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण कौशल है, और अंग्रेजी कक्षा में ऐसी गतिविधियों को शामिल करना महत्वपूर्ण है जो छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी में बोलने के लिए अवसर प्रदान करती हैं। वे कोई कहानी सुनाना, रोल प्ले, कोई साक्षात्कार या चर्चा हो सकते हैं। बोलने की गतिविधियों का मूल्यांकन आपको अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेजी में प्रगति, उन्होंने क्या सीखा है, वे अंग्रेजी में कितने आत्मविश्वास के साथ बोल सकते हैं, या क्या उन्हें अंग्रेजी में बोलने में दिक्कत हो रही है इस बारे में बता सकता है।

ज़रा सोचिए

जब आप अगले प्रश्नों का उत्तर दें तब अपने छात्र–छात्राओं और कक्षा के बारे में सोचें। हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ उन पर चर्चा करें।

- क्या आपने कभी अपने छात्र–छात्राओं के बोलने के कौशल का मूल्यांकन किया है? आपने यह कैसे किया? क्या आपको कोई कठिनाई हुई?
- यदि आपने अपने छात्र–छात्राओं के बोलने के कौशल का कभी मूल्यांकन नहीं किया है, तो अपने विचार से आप उसे कैसे करेंगे? आपके विचार से आपको क्या कठिनाइयाँ हो सकती हैं?
- क्या आप सोचते हैं कि बोलने के कौशल का मूल्यांकन करते समय किसी अन्य भाषा संबंधी कौशल का मूल्यांकन किया जा सकता है?

अब अपने विचारों की तुलना उससे करें जो कुछ शिक्षक/शिक्षिका बोलने का मूल्यांकन करने के लिए करते हैं। क्या इनमें से कई अवधारणाएं आप और आपके छात्र–छात्राओं के लिए संभव हैं? जो संभव हैं उन्हें नोट करें।

मैं छात्र–छात्राओं को तब सुनता हूँ जब वे जोड़ी में कार्य गतिविधियों के दौरान बातचीत करते हैं और अपने मन में अनौपचारिक नोट्स रखता हूँ। फिर जब मेरे पास समय होता है, मैं उन्हें अपनी नोटबुक में लिख लेता हूँ।

मैं अपने छात्र–छात्राओं से कहता हूँ कि बोलना उनके समग्र मूल्यांकन का हिस्सा है, और मैं कुछ बोलने की गतिविधियों के लिए ग्रेड देता हूँ (उदाहरण के लिए, वादविवाद या रोल प्ले)। इससे उन्हें दिखाई देता है कि बोलना महत्वपूर्ण है। मैं हमेशा हर एक को बताता हूँ जब मैं बोलने की गतिविधियों के लिए ग्रेड देने वाला होता हूँ। उस तरह, वे तैयारी और अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन कर सकते हैं। यही न्यायोचित है!

मैं कभी-कभार छात्र–छात्राओं को कक्षा के सामने जोड़ियों में बुलाता हूँ, और फिर उनकी एक छोटी सी बोलने की परीक्षा लेता हूँ – उदाहरण के लिए, मैं उन्हें किसी चित्र का वर्णन करने को कहता हूँ। प्रत्येक जोड़ी को केवल दो मिनट मिलते हैं, और वे एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। समय की एक अवधि में मैं सभी छात्र–छात्राओं की परीक्षा लेने का प्रयास करता हूँ।

कभी-कभी, बोलने की गतिविधि के बाद, मैं छात्र–छात्राओं से कुछ प्रश्नों के बारे में सोचने को कहता हूँ। क्या उन्होंने जितना उनसे हो सका बोला? क्या उन्हें व्याकरण या शब्दावली के साथ समस्याएं हुई? अपने बोलने के कौशल को सुधारने के लिए वे क्या कर सकते हैं? मैंने उन्हें किस प्रकार की प्रतिक्रिया दी ताकि वे सुधार कर सकें? क्या मेरी प्रतिक्रिया उपयोगी थी? कभी-कभी हम इस पर मिलकर चर्चा करते हैं।

बोलने के कौशल का मूल्यांकन करने के लिए आप किसी भी बोलने की गतिविधि का उपयोग कर सकते हैं, विशेष रूप से वे गतिविधियाँ जहाँ छात्र–छात्रा स्वयं या किसी दिलचस्प विषय के बारे में बातचीत करते हैं। पाठ को ऊँची आवाज में पढ़ने जैसी गतिविधियाँ बोलने के कौशल का मूल्यांकन करने के लिए अधिक उपयोगी नहीं होती हैं, क्योंकि ये गतिविधियाँ बोलने के केवल एक पहलू, उच्चारण का मूल्यांकन करती हैं। वे बोलने के अन्य पहलुओं पर विचार नहीं करती हैं जैसे आश्वस्त होकर और धाराप्रवाह बोलना, गतिविधियों में भाग लेना, शब्दावली और व्याकरण का सटीक उपयोग करना इत्यादि।

बोलने की गतिविधियों में छात्र–छात्रा प्रायः प्रदर्शित करते हैं कि उन्होंने पढ़ने या सुनने की गतिविधि से क्या सीखा है। इसलिए बोलने का मूल्यांकन करते समय ध्यान में रखें कि आप प्रायः उसी के साथ अन्य कौशल का मूल्यांकन कर रहे हैं।

केस स्टडी 2: श्रीमती सुनीता बोलने की गतिविधि के दौरान अपने छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करती हैं

श्रीमती सुनीता एक गैर-अंग्रेजी माध्यम सरकारी माध्यमिक विद्यालय में अंग्रेजी पढ़ाती हैं। पिछली बार जब उन्होंने अपने छात्र–छात्राओं के बोलने के कौशल का मूल्यांकन किया था वे उसके बारे में बतलाती हैं।

मैं कक्षा अंग्रेजी में एक साक्षात्कार कर रही थी। वे चार के समूहों में काम कर रहे थे [देखें चित्र 1]। दो समूहों के पास लिखित प्रश्न थे और वे पत्रकारों की भूमिका कर रहे थे; अन्य दो बारी बारी से साक्षात्कार लेने वाले की भूमिका कर रहे थे (इस बार, एक मशहूर फिल्म स्टार)।

चित्र 1: रोल प्ले गतिविधि में भाग लेते समय अपने छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करतीं श्रीमती सुनीता।

इस बार मैंने केवल दो समूहों को सुनने और उनका मूल्यांकन करने का निश्चय किया। पिछली बार मैंने अन्य छात्र–छात्राओं पर ध्यान दिया था, और अगली बार मैं कुछ अलग छात्र–छात्राओं पर ध्यान दूँगी।

मैं अपनी कक्षा के लिए एक डायरी रखती हूँ, और उसमें मैं नोट्स बनाती हूँ और अपने छात्र–छात्राओं के काम और ग्रेडों के रिकार्ड रखती हूँ। मेरी डायरी का एक हिस्सा बोलने के कौशल से संबंधित है, जिसमें एक ग्रिड नाम, तारीख और गतिविधि का प्रकार, और फिर बोलने के विभिन्न पहलू दिखाती है [देखें तालिका 4]।

तालिका 4: *श्रीमती सुनीता की डायरी में उनके छात्र–छात्राओं के काम की अनुश्रवण (monitoring) करने के लिए एक ग्रिड।*

नाम	तारीख और गतिविधि	भागीदारिता	आश्वस्त होकर और बिना हिचक बोलना (वाक्पटुता)	व्याकरण का सटीक उपयोग (सटीकता)	शब्दावली का उपयोग	उच्चारण

जब मेरे छात्र–छात्रा बोलने की गतिविधि करते हैं, मैं उनके पास खड़ी होती हूँ, सुनती हूँ और नोट्स बनाती हूँ [देखें तालिका 5]।

तालिका 5: *श्रीमती सुनीता की डायरी में उनके छात्र–छात्राओं के काम की अनुश्रवण (monitoring) करने के लिए एक भरी हुई ग्रिड।*

नम	तारीख और गतिविधि	भागीदारिता	आश्वस्त होकर और बिना हिचक बोलना (वाक्पटुता)	व्याकरण का सटीक उपयोग (सटीकता)	शब्दावली का उपयोग	उच्चारण
राहुल	06.01.14, साक्षात्कार	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓
अंजू	06.01.14, साक्षात्कार	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓	✓✓

आप देख सकते हैं कि मैं केवल आसान '✓' लगाने की प्रणाली का उपयोग करती हूँ। एक सही (✓) का मतलब है छात्र–छात्रा को कठिनाई हो रही है; दो सहियों का मतलब है वे पर्याप्त हैं; तीन सहियों का मतलब है वे बहुत अच्छा कर रहे हैं। ग्रिड को बहुत जल्दी और आसानी से भरा जा सकता है। मैं छात्र–छात्राओं के बारे में ये अनौपचारिक रिकार्ड प्रत्येक छात्र–छात्रा की प्रगति की समझ पाने में मदद और उनके समग्र मूल्यांकन में योगदान करने के लिए करती हूँ। फिर मैं अपने नोट्स को छात्र–छात्राओं के साथ साझा करती हूँ ताकि उन्हें अपनी स्वयं की क्षमताओं का और उन्हें किस चीज पर ध्यान देना है इस बात का बोध हो सके।

गतिविधि 3: कक्षा में आजमाएं – छात्र–छात्राओं के बोलने के कौशल का मूल्यांकन करने के लिए रिकार्ड शीट का उपयोग करना

केस स्टडी **2** में, श्रीमती सुनीता ने छात्र–छात्राओं के बोलने के कौशल का अनौपचारिक रूप से मूल्यांकन करने के लिए रिकार्ड शीट का उपयोग किया, जिसे वे अपने छात्र–छात्राओं के साथ प्रतिक्रिया के रूप में साझा करती हैं। अपने छात्र–छात्राओं के लिए ऐसी ही ग्रिड बनाएं, और अगली बार जब आपके छात्र–छात्रा बोलने की गतिविधि करें तब एक या दो समूहों के साथ उसे आजमाएं। आप, केस स्टडी की तरह, सहियों (✓) का उपयोग कर सकते हैं, या ग्रेड या टिप्पणियाँ जोड़ सकते हैं। अपने छात्र–छात्राओं को बताना न भूलें कि आप क्या कर रहे हैं और गतिविधि के बाद उनके साथ अपनी प्रतिक्रिया साझा करें।

ज़रा सोचिए

अपनी कक्षा में रिकार्ड शीट को आजमाने के बाद, निम्नलिखित प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या रिकार्ड शीट उपयोग में आसान और उपयोगी था? यदि नहीं, तो उसे अधिक आसान और अधिक उपयोगी बनाने के लिए आप क्या परिवर्तन करेंगे?
- केस स्टडी में शिक्षक/शिक्षिका बोलने के सभी पहलुओं को समान महत्व देती हैं (उदाहरण: वाक्पटुता, उच्चारण इत्यादि)। क्या यह आपकी कक्षा के लिए उपयोगी है? क्या आप कुछ पहलुओं को अधिक या कम महत्व देना पसंद करते हैं?
- आपके छात्र–छात्राओं ने प्रतिक्रिया का उत्तर कैसे दिया? क्या उन्हें यह प्रेरणादायक लगा?

ग्रिड में बेहिचक परिवर्तन करें। यदि वह उपयोग में कठिन है, तो उसे सरल बनाएं और दोबारा प्रयास करें। यदि आपको लगता है कि एक क्षेत्र दूसरे जैसा महत्वपूर्ण नहीं है, तो आप अधिक या कम सहियों (✓) का उपयोग कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बात है ऐसी ग्रिड का पता लगाना जो आप और आपके छात्र–छात्राओं के लिए उपयोगी है, और जो आपको अपने छात्र–छात्राओं के बोलने के कौशल के बारे में जानकारी एकत्र करने देती है और उनके साथ सार्थक ढंग से साझा करने का अवसर देती है व उन्हें सुधार करने में मदद करेगी।

4 अपने छात्र–छात्राओं के अंग्रेज़ी लेखन कौशल का मूल्यांकन कैसे करें

बोलने की तरह ही, अंग्रेजी में लिखना भी केवल व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य बनाना ही नहीं है। पाठ लिखने में कई कौशल का उपयोग होता है, और छात्र–छात्रा मसौदे लिखने और अपने तथा एक दूसरे के काम की समीक्षा करने में कुछ समय व्यतीत कर सकते हैं।

गतिविधि 4: लिखित अंग्रेजी का मूल्यांकन करना

जब आप निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें तब अपने छात्र–छात्राओं और कक्षा के बारे में सोचें। हो सके तो, अपने विचारों को किसी सहकर्मी के साथ साझा करें।

> कल्पना करें कि आपके छात्र–छात्राओं ने अंग्रेजी में कोई पाठ लिखा है, जैसे स्कूल के समरोह के बारे में एक रिपोर्ट। कल्पना करें कि आपने अपने छात्र–छात्राओं के काम को एकत्र कर लिया है और अब आप उसका मूल्यांकन कर रहे हैं। आप किस बात के लिए अंक देंगे?

जब आप लिखित अंग्रेजी का मूल्यांकन करते हैं – विशेष तौर पर रिपोर्टों, रचनाओं, पत्रों जैसे अधिक लंबे पाठ – तब आप निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार कर सकते हैं:

- क्या पाठ उपयुक्त है? (उदाहरण के लिए, क्या छात्र–छात्रा ने स्थानीय विद्यालय समारोह के बारे में रिपोर्ट लिखी है, या क्या छात्र–छात्रा ने विद्यालय का वर्णन सामान्य तौर पर कर किया है?)
- क्या पाठ स्पष्ट और समझने में आसान है? क्या वह संगठित है और तर्कसंगत रूप से अनुक्रमित है?
- क्या शब्दावली काफी विस्तृत है? क्या शब्दों को प्रायः दोहराया गया है?
- क्या कोई स्पेलिंग या व्याकरण की गलतियाँ या विराम चिह्न की गलतियाँ हैं?
- क्या शैली पाठक के लिए उपयुक्त है? (उदाहरण के लिए, किसी समारोह के बारे में रिपोर्ट को तथ्यात्मक होना चाहिए, और वह पढ़ने में दिलचस्प भी होनी चाहिए।)
- पाठ के बारे में कौन सी बात अच्छी है? इसमें दिलचस्प बात क्या है? क्या लेखक ने पाठ को पढ़ने वाले के बारे में सोचा है?

उपरोक्त सूची के अंतिम बिंदु पर ध्यान दें: यह कहना महत्वपूर्ण है कि किसी काम के बारे में अच्छी बात क्या है। इससे छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहन मिलता है, और यह देखने में उनकी मदद करता है कि लिखने का क्या उद्देश्य है – पाठों को याद करने और उनकी नकल करने के साधन के रूप में नहीं, बल्कि विचारों को व्यक्त करने और पाठक तक कोई संदेश पहुँचाने के लिए।

अब एक शिक्षक के बारे में एक केस स्टडी पढ़ें जिसने अपने कक्षा 10 के छात्र–छात्राओं के लिखित काम का अभी-अभी मूल्यांकन किया है, और देखें कि वह अपने छात्र–छात्राओं के काम को ग्रेड करने और अलग-अलग व्यक्तियों को प्रतिक्रिया देने के लिए उपरोक्त प्रश्नों के समान प्रश्नों का उपयोग कैसे करता है।

केस स्टडी 3: श्री संजीव कक्षा 10 के कुछ लिखित काम का मूल्यांकन करते हैं

श्री संजीव एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10 को पढ़ाते हैं। उनकी कक्षा ने हाल ही में First Flight, *NCERT's Class X textbook का अध्याय 4 पढ़ा। इस अध्याय में Anne Frank's diary से एक उद्धरण है। अध्याय के अंत में एक लिखने का अभ्यास है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है।*

> Now you know what a diary is and how to keep one. Can you keep a diary for a week recording the events that occur? You may share your diary with your class, if you wish to. Use the following hints to write your diary.
>
> - Though your diary is very private, write as if you are writing for someone else.
> - Present your thoughts in a convincing manner.
> - Use words that convey your feelings, and words that 'paint pictures' for the reader.
> - Be brief.

इस गतिविधि के लिए, मैंने अपने छात्र–छात्राओं से आने वाले सप्ताह में हर दिन घर पर 50–100 शब्द लिखने, और अपनी भरी गई डायरी को एक सप्ताह के बाद लाने को कहा। उनके लिखना शुरू करने से पहले, हमने ऐसे कुछ विचारों पर चर्चा की जिनके बारे में वे लिख सकते थे, और हर रोज, मैंने उन्हें याद दिलाया कि उन्हें लिखना चाहिए।

एक सप्ताह बाद, फिर मैंने छात्र–छात्राओं को चार या पाँच के समूहों में रखा। मैंने उनसे कहा: 'Choose one interesting diary entry and share it with the group.' मैंने उन्हें दस मिनट दिए।

फिर मैंने दस छात्र–छात्राओं से अपनी डायरियाँ देने को कहा। मैं प्रत्येक छात्र–छात्रा की डायरी देखना चाहता हूँ लेकिन यह मेरे लिए कठिन है – मेरे पास 47 छात्र–छात्रा हैं, और पाठ्यपुस्तक के प्रत्येक दूसरे अध्याय में एक लिखने का अभ्यास है। मेरे पास लिखित काम के 47 नमूनों को इतनी बार पढ़ने और ग्रेड करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है! इसलिए मैं हर बार दस अलग छात्र–छात्राओं का काम लेता हूँ ताकि मैं प्रत्येक छात्र–छात्रा का लिखित काम देख सकूँ।

फिर मैंने दस डायरियों को पढ़ा, और इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए, प्रश्नों का उपयोग करके मैंने उन्हें प्रतिक्रिया दी:

1. क्या इसे डायरी के रूप में लिखा गया है?
2. क्या यह समझने में स्पष्ट और आसान है?
3. क्या शब्दावली काफी विस्तृत है?
4. क्या इसमें व्याकरण, स्पेलिंग और विराम चिह्नों की गलतियाँ हैं?
5. डायरियों की प्रविष्टियों के बारे में अच्छी बात क्या है?

मैंने प्रत्येक क्षेत्र में टिप्पणियाँ लिखीं और फिर हर प्रश्न के लिए दस में से एक ग्रेड दिया ताकि 50 का योग हो जाए। छात्र–छात्राओं के लिए उनके सीखने में सुधार करने के लिए फीडबैक का बहुत ज्यादा महत्व होता है, लेकिन मेरे लिए ग्रेड को रिकार्ड करना और जल्दी से अपनी नोटबुक में लिखना आसान था। यहाँ पर वह फीडबैक है जो मैंने एक छात्र को दी:

1. इसे डायरी के रूप में स्पष्ट तरीके से लिखा गया है। आपने सप्ताह के प्रत्येक दिन को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया है, और प्रतिदिन जो कुछ हुआ उसके बारे में लिखा है, तथा अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। आपने हर रोज 50–100 के बीच शब्द लिखे हैं। शाबाश। (10/10)
2. डायरी पढ़ने में अधिकतर स्पष्ट और आसान है, लेकिन मैं ठीक ढंग से समझ नहीं पा रहा हूँ कि मंगलवार को क्या हुआ था। क्या आप इसे अधिक स्पष्ट कर सकते हैं? (7/10)
3. आपने शब्दावली की काफी अच्छी मात्रा का उपयोग किया है, और अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए कुछ अलग-अलग शब्दों का उपयोग किया है। आप 'happy' के लिए कुछ अधिक शब्दों का उपयोग कर सकते थे – उदाहरण के लिए, 'glad', 'pleased' या 'delighted'। अपनी शब्दावली को विकसित करने का प्रयास करें। (6/10)
4. इसमें व्याकरण, स्पेलिंग और विराम चिह्नों की कई गलतियाँ हैं। जो सुधार मैंने किए हैं उन्हें देखें और सही स्पेलिंग की समीक्षा करें। आपको simple past tense बनाने के नियमों की समीक्षा भी करनी चाहिए। यदि आपके पास कोई प्रश्न हैं तो मुझसे पूछें। (5/10)
5. आपने कुछ दिलचस्प घटनाओं के बारे में लिखकर और जो महसूस हुआ उसका वर्णन करके इसे पाठक के लिए रोचक बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैंने गुरूवार के लिए आपकी डायरी की प्रविष्टी का आनंद लिया। क्या मजेदार कहानी है! (9/10)

संपूर्ण ग्रेड: 37/50 (उत्तम, लेकिन अपनी शब्दावली, व्याकरण और स्पेलिंग पर काम करते रहें।)

जब मैंने दस डायरियों को पढ़कर उन्हें ग्रेड कर लिया, तो मैंने देखा कि अधिकांश छात्र–छात्राओं को simple past और present perfect tenses का सही प्रयोग करने में समस्या हुई थी। तब मैंने निश्चय किया कि मैं डायरियों से कुछ उदाहरणों का उपयोग करके अगली कक्षा में इन tenses की समीक्षा करूँगा। यह स्पष्ट है कि इस कक्षा को अपने अनुभवों के बारे में लिखने में अधिक अभ्यास की जरूरत है।

यह गतिविधि अच्छी तरह से संपन्न हुई और छात्र–छात्राओं को अपने काम में मार्गदर्शन के लिए प्रश्न और मेरी प्रतिक्रिया

अच्छी लगी। इसने उनकी यह जानने में मदद की कि किस बात पर ध्यान देना है। क्योंकि मेरे लिए प्रत्येक छात्र–छात्रा को फीडबैक देना कठिन है, जब मैं अगली बार यह काम करूँगा तब मैं छात्र–छात्राओं से एक दूसरे के काम का मूल्यांकन करने और एक दूसरे को फीडबैक देने को कहने का प्रयास कर सकता हूँ।

गतिविधि 5: कक्षा में आजमाएं – अपने छात्र–छात्राओं के लेखन कौशल का मूल्यांकन करना

केस स्टडी **3** में, श्री संजीव ने उस लिखित काम का मूल्यांकन किया जो उनके छात्र–छात्राओं ने कक्षा में उनके नियमित अध्यापन के हिस्से के रूप में किया था। उन्होंने डायरी की प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया, लेकिन आप इन्हीं तकनीकों का उपयोग करके किसी भी तरह की लेखन गतिविधि का मूल्यांकन कर सकते हैं:

1. अपनी पाठ्यपुस्तक में अगला लेखन अभ्यास खोजें। वैकल्पिक रूप से, आप किसी लेखन गतिविधि का सृजन कर सकते हैं जैसे पाठ्यपुस्तक के किसी विषय के बारे में कुछ अनुच्छेद, कोई पत्र, रिपोर्ट, कहानी, या डायरी, जैसा शिक्षक ने केस स्टडी **3** में किया।
2. चार्ट पेपर या ब्लैकबोर्ड पर वे प्रश्न लिखें जिनका उपयोग आप मूल्यांकन के लिए करेंगे, ताकि छात्र–छात्राओं को पता हो कि आप किस बात की ग्रेडिंग करेंगे और लिखते समय किस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है। प्रश्नों पर चर्चा करें ताकि छात्र–छात्रा सजग रहें कि अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए उन्हें क्या करना है। आप उन्हें कुछ उदाहरण दे सकते हैं। शुरू करने के लिए आप इन प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं:
   a. क्या पाठ उपयुक्त है? उदाहरण के लिए, यदि आपने छात्र–छात्रा से कहानी लिखने को कहा था, तो क्या उसने कहानी लिखी है? या क्या उन्होंने किसी अलग प्रकार का पाठ, जैसे कोई रिपोर्ट, लिखी है?
   b. क्या पाठ स्पष्ट और समझने में आसान है? क्या वह संगठित है और तर्कसंगत रूप से अनुक्रमित है?
   c. क्या शब्दावली काफी विस्तृत है? क्या शब्दों को प्रायः दोहराया गया है?
   d. क्या कोई स्पेलिंग या व्याकरण की गलतियाँ या विराम चिह्न की गलतियाँ हैं?
   e. क्या शैली पाठक के लिए उपयुक्त है?
   f. पाठ के बारे में कौन सी बात अच्छी है? इसमें दिलचस्प बात क्या है? क्या लेखक ने पाठ को पढ़ने वाले के बारे में सोचा है?
3. जब छात्र–छात्रा काम पूरा कर लें, तब उनका काम एकत्र करें। यदि आपकी कक्षा बड़ी है, तो अपने छात्र–छात्राओं के एक समूह का काम लें। यदि आप ऐसा करते हैं। तो सुनिश्चित करें कि आप प्रत्येक बार अलग छात्र–छात्राओं का चुनाव करें। आप छात्र–छात्राओं से ग्रीड का उपयोग करके एक दूसरे के काम का मूल्यांकन करने को भी कह सकते हैं।
4. जब आप उनके काम को ग्रेड करते हैं, तब प्रत्येक छात्र–छात्रा के लिए समझने में आसान शब्दों में टिप्पणियाँ शामिल करने का प्रयास करें जिनका उपयोग वे सुधार करने के लिए कर सकते हैं।
5. अपनी नोटबुक में ग्रेडों को रिकार्ड करें।
6. मूल्यांकन ने आपके छात्र–छात्राओं के सीखने के बारे में आपको क्या बताया है? क्या ऐसे कोई क्षेत्र हैं जिनकी दोबारा समीक्षा करने की जरूरत है?

ज़रा सोचिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या प्रश्नों ने आपके छात्र–छात्राओं के काम को ग्रेड करने में आपकी मदद की?
- यदि नहीं, तो आप उनमें परिवर्तन करके उन्हें अधिक उपयोगी कैसे बना सकते हैं?
- क्या छात्र–छात्राओं को प्रतिक्रिया को समझना और सुधार के लिए उपयोग में लेना आसान लगा?
- क्या आपके छात्र–छात्रा प्रश्नों का उपयोग करके एक दूसरे के काम का मूल्यांकन कर सके?

आपको लग सकता है कि इस गतिविधि में सुझाए गए प्रश्न आपके छात्र–छात्राओं और लेखन कार्य के लिए पूरी तरह से उपयुक्त नहीं हैं। आप प्रश्नों के साथ प्रयोग कर सकते हैं और कुछ को छोड़कर और अन्य प्रश्न जोड़कर उन्हें बदल सकते है। हो सके तो अपने सहकर्मियों, या अपने छात्र–छात्राओं के साथ उपयुक्त प्रश्नों की चर्चा करें।

सुनिश्चित करें कि आपके छात्र–छात्राओं को प्रश्न स्पष्ट हैं और कि आपके द्वारा उन्हें दी गई प्रश्नों पर आधारित प्रतिक्रिया सरल और समझने में आसान है। आप इसकी जाँच उन्हें प्रतिक्रिया के आधार पर परिवर्तनों को लागू करने का अवसर देकर, और इन परिवर्तनों की जाँच करके कर सकते हैं।

ये प्रश्न छात्र–छात्राओं द्वारा अपने खुद के काम की समीक्षा या मूल्यांकन करने, या एक दूसरे के काम का मूल्यांकन करने के लिए भी उपयोगी हो सकते हैं। इसलिए, आपके लिए अपने छात्र–छात्राओं के काम की जाँच करना और उसे ग्रेड करना हमेशा ही आवश्यक नहीं है, क्योंकि वे स्वयं अपने और एक दूसरे के काम की जाँच कर सकते हैं। (इस विषय में अधिक जानकारी के लिए, इकाई *समग्र कक्षा लेखन दिनचर्याएं* भी देखें।)

5 सारांश

मूल्यांकन शिक्षक/शिक्षिकाओं और छात्र–छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण है। यह छात्र–छात्रा की प्रगति और कमजोरियों को देखने में शिक्षक/शिक्षिकाओं की मदद करता है और यह देखने में उनकी मदद कर सकता है कि सीखने में छात्र–छात्राओं की वैयक्तिक प्रगति में वे कैसे सहायता और मदद कर सकते हैं। मूल्यांकन छात्र–छात्राओं को अपनी ताकतों और कमजोरियों को समझने में, और यह जानने में भी मदद करता है कि सुधार करने के लिए किस बात पर ध्यान देना है।

मूल्यांकन में सत्र या विद्यालयी वर्ष के अंत में परीक्षाओं का शामिल होना जरूरी नहीं है। इसे विद्यालयी वर्ष के दौरान कक्षा के नियमित अध्यापन के भाग के रूप में किया जा सकता है, और आप पाठ्यपुस्तक के नियमित पाठों और अभ्यासों, बोलने की गतिविधियों और लिखित काम का मूल्यांकन कर सकते हैं।

जब आप कक्षा की नियमित गतिविधियों का निरीक्षण और ग्रेडिंग करते हैं, और साथ ही ग्रेडों तथा टिप्पणियों का डायरी में रिकार्ड रखते हैं, आप अपनी कक्षा के प्रत्येक छात्र–छात्रा की प्रगति की समझ पाने लगेंगे। आपके छात्र–छात्राओं के साथ इसे साझा करने से उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि उन्हें क्या सुधार करने की जरूरत है। आपके निरीक्षण यह देखने में भी आपकी मदद करेंगे कि आप अपने छात्र–छात्राओं के कौशल का विकास करने और भाषा सीखने में उनकी सहायता करने के लिए अपने शिक्षण को कैसे बदल सकते हैं।

यदि आप भाषा सीखने के मूल्यांकन के बारे में अधिक पढ़ना चाहते हैं, तो अतिरिक्त संसाधन खंड देखें।

संसाधन

संसाधन 1: बड़ी कक्षाओं में छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करना

तालिका R1.1 कुछ नमूना गतिविधियाँ दर्शाती है जिनका उपयोग आप कक्षा में अपने नियमित शिक्षण के दौरान अंग्रेजी का मूल्यांकन करने के लिए कर सकते हैं। तथापि, इसे बड़ी कक्षाओं के साथ करना कठिन हो सकता है, इसलिए यह तालिका कुछ संभव समस्याएं और समाधान प्रस्तुत करती है।

तालिका R1.1 *बड़ी कक्षा में मूल्यांकन के लिए, संभव समस्याओं और समाधानों सहित, गतिविधियाँ।*

मूल्यांकन के लिए गतिविधि	संभव समस्याएं	संभव समाधान
जब छात्र–छात्रा जोड़ियों में काम करते हैं, जैसे एक दूसरे को वाक्य लिखवाना या रोल प्ले या साक्षात्कार जैसी बोलने की गतिविधि करना, तब शिक्षक/शिक्षिका सुनते हैं, देखते हैं और नोट्स बनाते हैं (उदाहरणः उच्चारण के बारे में)।	सभी जोड़ियों को सुनना असंभव है। छात्र–छात्रा ढेर सारी गलतियाँ करते हैं।	हर बार जब भी जोड़ी में कार्य हो तब कुछ जोड़ियों को सुनें, लेकिन हर बार भिन्न छात्र–छात्राओं को सुनें, और हो सके तो नोट्स बनाएं। नोट्स का उपयोग यह समझने के लिए करें कि किसे समस्या हो रही है और किसे नहीं।
पाठ को पढ़ने या कोई नया अध्याय शुरू करने से पहले, शिक्षक/शिक्षिका कक्षा से विषय के बारे में प्रश्न पूछता है (उदाहरणः कोई विवाह जिसमें आप गए थे)। शिक्षक/शिक्षिका देखते हैं कि कौन उत्तर देता है और उसके द्वारा प्रयुक्त भाषा नोट करते हैं।	वही छात्र–छात्रा हमेशा प्रश्नों का उत्तर देते हैं। किसने क्या कहा है और कही गई हर बात को याद रखना कठिन है।	समान छात्र–छात्राओं को कक्षा की चर्चा पर हावी न होने दें। हो सके तो नोट्स बनाएं कि कौन नियमित रूप से योगदान करता है और उन छात्र–छात्राओं से पूछने का ध्यान रखें जिन्होंने हाल के पाठों में योगदान नहीं किया है।

मूल्यांकन के लिए गतिविधि	संभव समस्याएं	संभव समाधान
छात्र–छात्रा पाठ के प्रति कब अनुक्रिया (respond) कर रहे हैं, उदा. बोध संबंधी प्रश्नों का उत्तर देना। शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में घूमता है और नोट करता है कि प्रश्नों का उत्तर देने में किसे कठिनाई हो रही है।	कक्षा में बहुत सारे छात्र–छात्रा हैं और उन सभी को जाँचने के लिए पर्याप्त समय नहीं है।	छात्र–छात्राओं से अपनी नोटबुकों की अदला-बदली करने और तब उत्तर पढ़कर सुनाने को कहें, और छात्र–छात्राओं से एक दूसरे के काम को ग्रेड करवाएं। समय-समय पर, अलग-अलग छात्र–छात्राओं की नोटबुकें लें और ग्रेड नोट करें।
कुछ नई शब्दावली या व्याकरण पढ़ाने के बाद, शिक्षक/शिक्षिका जो कुछ पढ़ाया गया है उसके बारे में एक शीघ्र, लघु परीक्षा लेता है।	कक्षा के सभी छात्र–छात्राओं की परीक्षाओं को ग्रेड करना कठिन है।	छात्र–छात्राओं से अपनी परीक्षाओं की अदला-बदली करने और तब उत्तर पढ़कर सुनाने को कहें, और छात्र–छात्राओं से एक दूसरे की परीक्षाओं को ग्रेड करवाएं। परीक्षा के पेपर लें और ग्रेड नोट करें।
यदि छात्र–छात्रा कोई शब्दावली लॉगबुक तैयार कर रहे हैं, तो शिक्षक/शिक्षिका जाँच करने और संभव हो तो ग्रेड करने के लिए पुस्तकें लेता है।	सभी छात्र–छात्राओं की लॉगबुकों की जाँच करना कठिन है।	समय-समय पर, अलग-अलग छात्र–छात्राओं की लॉगबुकें लें और और उन्हें देखें। विद्यालयी वर्ष के दौरान प्रत्येक छात्र–छात्रा की पुस्तक को देखने का लक्ष्य रखें।
शिक्षक/शिक्षिका छात्र–छात्राओं द्वारा पूरे	सभी छात्र–छात्राओं के	ऊपर देखें। छात्र–छात्रा अपने काम का बोझ कम

किए गए प्रॉजेक्ट वर्क को वैयक्तिक रूप से या समूहों में ग्रेड करता है (उदाहरण: किसी विज्ञापन को डिजाइन करना, कक्षा का अखबार लिखना या टीवी कार्यक्रम का प्रकरण लिखना)।	प्रॉजेक्ट वर्क को ग्रेड करना असंभव है।	करने के लिए समूहों में प्रॉजेक्ट वर्क कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, छात्र–छात्राओं से प्रॉजेक्ट वर्क को दीवार पर प्रदर्शित करने को कहें, और जब आपके पास उसे देखने के लिए समय हो तब ग्रेड करें।
जब छात्र–छात्रा कोई सुनने की गतिविधि करते हैं (उदाहरण: निर्देशों को सुनना और चित्र बनाना, प्रश्नों का उत्तर देना, किसी पाठ का सारांश लिखना), तब शिक्षक/शिक्षिका कमरे में घूमता है और देखता है कि किसे कठिनाई हो रही है। शिक्षक/शिक्षिका पूरे किए गए काम को ग्रेड करने के लिए लेता है।	सभी छात्र–छात्राओं के काम को जाँचना कठिन है।	हो सके, हर बार जब आप कोई गतिविधि करें तब तो कमरे में घूमें और कुछ अलग छात्र–छात्राओं का प्रेक्षण (observation) करें। जब आपसे संभव हो, तब हर छात्र–छात्रा की प्रगति को समझने के लिए कुछ नोट्स बनाएं। समय-समय पर अलग-अलग छात्र–छात्राओं का काम लें और ग्रेड तथा टिप्पणियाँ नोट करें।

संसाधन 2: प्रगति और कार्यप्रदर्शन का आकलन करना

छात्र–छात्राओं के शिक्षण का मूल्यांकन करने के दो उद्देश्य हैं:

- **योगात्मक मूल्यांकन** पीछे मुड़ कर देखता है और जो पहले से सीखा गया है उसका निर्णय करता है। यह सामान्यतया परीक्षाओं के स्वरूप में आयोजित किया जाता है, जहाँ छात्र–छात्राओं को परीक्षा में प्रश्नों के प्रति उनकी उपलब्धियों को बताते हुए श्रेणीकृत किया जाता है। इससे परिणामों की रिपोर्टिंग में मदद मिलती है।
- **निर्माणात्मक मूल्यांकन** (या शिक्षण का मूल्यांकन) काफ़ी अलग है, जो अधिक अनौपचारिक तथा नैदानिक स्वरूप का होता है। शिक्षक/शिक्षिका उन्हें शिक्षण प्रक्रिया के अंग के रूप में उपयोग करते हैं, उदाहरण के लिए, जहाँ यह पता लगाने के लिए प्रश्न पूछने का उपयोग किया जाता है कि क्या छात्र–छात्राओं ने किसी चीज़ को समझा है या नहीं। इस मूल्यांकन के परिणामों का फिर अगले शिक्षण अनुभव को बदलने के लिए उपयोग किया जाता है। अनुश्रवण (monitoring) और फ़ीडबैक रचनात्मक मूल्यांकन का हिस्सा है।

रचनात्मक मूल्यांकन शिक्षा-प्राप्ति को बढ़ाता है, क्योंकि सीखने के लिए, अधिकांश छात्र–छात्राओं को:

- समझना चाहिए कि उनसे क्या सीखने की उम्मीद की जा रही है
- जानना चाहिए कि अपनी पढ़ाई में वे इस समय किस स्तर पर हैं
- समझना चाहिए कि वे किस प्रकार प्रगति कर सकते हैं (अर्थात क्या पढ़ना चाहिए और कैसे पढ़ना चाहिए)
- जानना चाहिए कि कब उन्होंने लक्ष्य और अपेक्षित परिणाम हासिल कर लिए हैं।

शिक्षक/शिक्षिका के रूप में, अगर आप प्रत्येक पाठ में उपर्युक्त चार बिंदुओं पर ध्यान देंगे, तो आप अपने छात्र–छात्राओं से सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करेंगे। इस प्रकार पढ़ाने से पहले, पढ़ाते समय और पढ़ाने के बाद मूल्यांकन किया जा सकता है:

- **पहले:** पढ़ाने से पहले मूल्यांकन से आपको यह जानने में मदद मिलती है कि छात्र–छात्रा क्या जानते हैं और पढ़ाने से पहले क्या कर सकते हैं। यह आधार-रेखा निर्धारित करता है और आपको अपनी सीखने की योजना तैयार करने के लिए प्रारम्भिक बिन्दु देता है। छात्र–छात्रा क्या जानते हैं इस बारे में अपनी समझ को बढ़ाने से, छात्र–छात्राओं को

जिसमें पहले से ही महारत हासिल है, उसे दुबारा पढ़ाने या संभवतः उन्हें जो जानना या समझना है (लेकिन नहीं जानते), उसे छोड़ने के मौक़े कम होंगे।

- **पढ़ाते समय:** कक्षा में पढ़ाते समय मूल्यांकन करने में यह देखना शामिल है कि क्या छात्र–छात्रा सीख रहे हैं और उनमें सुधार हो रहा है। इससे आपको अपनी शिक्षण पद्धति, संसाधनों और गतिविधियों का समायोजन करने में मदद मिलेगी। यह आपको यह समझने में मदद करेगा कि छात्र–छात्रा वांछित उद्देश्य की दिशा में किस प्रकार प्रगति कर रहा है और आपका शिक्षण कितना सफल है।
- **पढ़ाने के बाद:** शिक्षण के बाद किया जाने वाला मूल्यांकन पुष्टि करता है कि छात्र–छात्राओं ने क्या सीखा है और आपको दर्शाता है कि किसने सीखा है और किसे अभी मदद की ज़रूरत है। इससे आप अपने शिक्षण लक्ष्य का प्रभावी मूल्यांकन कर सकेंगे।

पहले: आपके छात्र–छात्रा क्या सीखेंगे इस बारे में स्पष्ट रहना

जब आप तय करते हैं कि छात्र–छात्राओं को पाठ या पाठों की शृंखला में क्या सीखना चाहिए, तो आपको उसे उनके साथ साझा करना चाहिए। सावधानी से अंतर करें कि छात्र–छात्राओं को आप क्या करने के लिए कह रहे हैं, और छात्र–छात्राओं से क्या सीखने की उम्मीद की जा रही है। ऐसा प्रश्न पूछिये जिससे कि आपको इस बात का मूल्यांकन करने का अवसर प्राप्त हो कि क्या उन्होंने वाक़ई समझा है या नहीं। उदाहरण के लिए:

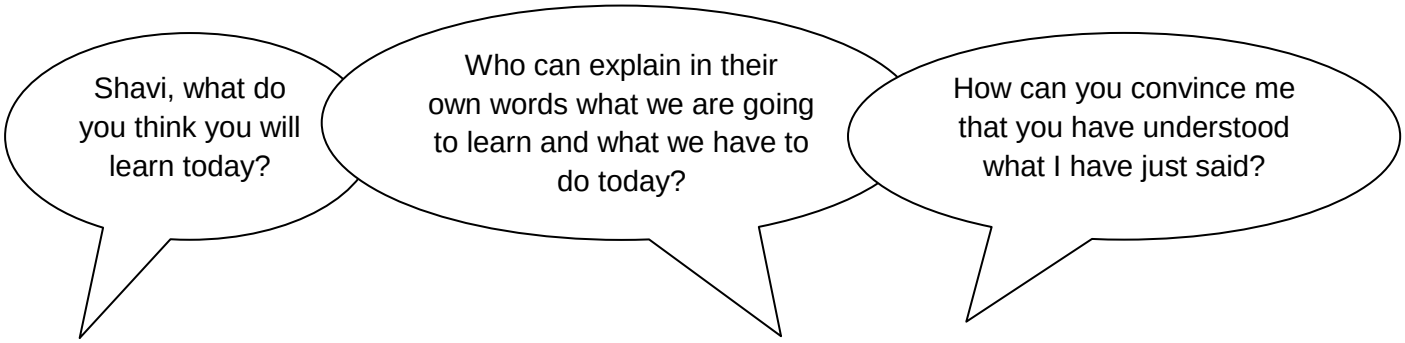

छात्र–छात्राओं को जवाब देने से पहले सोचने के लिए कुछ सेकंड दें, या शायद छात्र–छात्राओं को पहले जोड़े या छोटे समूहों में अपने जवाब पर चर्चा करने के कहें। जब वे आपको अपना उत्तर बताएँ, आप जान जाएँगे कि क्या वे समझते हैं कि उन्हें क्या सीखना है।

पहले: जानना कि छात्र–छात्रा अपने शिक्षण के किस स्तर पर हैं

आपके छात्र–छात्राओं में सुधार के लिए मदद करने के क्रम में आपको और उन्हें उनके ज्ञान और समझदारी की वर्तमान अवस्था को जानने की ज़रूरत पड़ेगी। जैसे ही आप वांछित शिक्षण परिणामों या लक्ष्यों को साझा कर लें, आप निम्न कर सकते हैं:

- छात्र–छात्राओं को मानसिक खाका बनाने या उस विषय के बारे में वे पहले से क्या जानते हैं, उसे सूचीबद्ध करने के लिए जोड़े में कार्य करने के लिए कहें, और उन्हें उसे पूरा करने के लिए पर्याप्त समय दें, लेकिन उन चंद विचारों के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं देना चाहिए। उसके बाद आप उन मानसिक खाका या सूचियों की समीक्षा करें।
- महत्वपूर्ण शब्दावली को बोर्ड पर लिखें और प्रत्येक शब्द के बारे में वे क्या जानते हैं, यह बताने के लिए स्वेच्छा से उन्हें आगे आने के लिए कहें। फिर बाक़ी कक्षा से कहें कि यदि वे शब्द समझते हैं, तो अपना अंगूठा थम्ब्स-अप की मुद्रा में ऊपर उठाएँ, यदि वे बहुत कम जानते हैं या बिल्कुल नहीं जानते हैं, तो थम्ब्स-डाउन की मुद्रा में नीचे करें और यदि वे कुछ जानते हैं, तो अंगूठे को क्षैतिज यानी बीच में रखें।

कहाँ से शुरुआत करनी है, यह जानने का मतलब है कि आप अपने छात्र–छात्राओं के लिए प्रासंगिक और रचनात्मक रूप से सीखने की योजना बना सकते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके छात्र–छात्रा यह मूल्यांकन करने में सक्षम हों कि वे कितनी अच्छी तरह सीख रहे हैं, ताकि आप और वे, दोनों जान सकें कि उन्हें आगे क्या सीखने की ज़रूरत है। आपके छात्र–छात्राओं को स्वयं अपने शिक्षण का भार उठाने का अवसर प्रदान करने से उन्हें आजीवन छात्र–छात्रा बनाने में मदद मिलेगी।

पढ़ाते समय: शिक्षा में छात्र–छात्राओं की प्रगति सुनिश्चित करना

जब आप छात्र–छात्राओं से उनकी वर्तमान प्रगति के बारे में बात करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि उन्हें आपका फीडबैक उपयोगी और रचनात्मक, दोनों लगे। निम्नांकित के द्वारा इस काम को करें:

- छात्र–छात्राओं को उनकी ताक़त और यह जानने में मदद करना कि वे कैसे और सुधार कर सकते हैं
- इस बारे में स्पष्ट रहना कि आगे और किस चीज़ के विकास की ज़रूरत है
- इस बारे में सकारात्मक रहना कि वे किस प्रकार अपनी शिक्षा का विकास कर सकते हैं, जाँचना कि वे समझते हैं और आपकी सलाह का उपयोग करने में सक्षम महसूस करते हैं।

आपको छात्र–छात्राओं के लिए उनके शिक्षण को बेहतर बनाने के लिए अवसर मुहैया कराने की ज़रूरत पड़ेगी। इसका अर्थ यह हुआ कि पढ़ाई के मामले में छात्र–छात्राओं के वर्तमान स्तर और जहाँ आप उन्हें देखना चाहते हैं, इसके बीच के अंतराल को पाटने के लिए हो सकता है कि आपको अपनी सीखने की योजना को संशोधित करना पड़े। ऐसा करने के लिए आपको निम्नतः करना होगा:

- कुछ ऐसे कार्य पर वापस नज़र दौड़ाना होगा, जिनके बारे में आपने सोचा था कि वे पहले से जानते हैं
- आवश्यकता के अनुसार छात्र–छात्राओं के समूह बनाना, उन्हें अलग-अलग कार्य देना
- छात्र–छात्राओं को स्वयं यह निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करना कि उन्हें किन संसाधनों को पढ़ने की ज़रूरत है ताकि वे 'स्वयं अपना अंतराल पाट सकें'
- 'निम्न प्रवेश, ऊँची सीमा' वाले कार्यों का उपयोग करना, ताकि सभी छात्र–छात्रा प्रगति कर सकें - इन्हें इसलिए अभिकल्पित किया गया है कि सभी छात्र–छात्रा काम शुरू कर सकें, लेकिन अधिक समर्थ को प्रतिबंधित न किया जाए और वे अपने ज्ञान के विस्तार के लिए प्रगति कर सकें।

पाठों की रफ्तार को धीमा करके, अक्सर आप दरअसल पढ़ाई को तेज़ करते हैं, क्योंकि आप छात्र–छात्राओं को उस पर सोचने और समझने का समय और आत्मविश्वास देते हैं, जिसमें उन्हें सुधार लाने की ज़रूरत होती है। छात्र–छात्राओं को आपस में अपने काम के बारे में बात करने का मौक़ा देकर, और इस बात पर चिंतन करके कि अंतराल कहाँ पर है और वे इसे किस प्रकार से ख़त्म कर सकते हैं, आप उन्हें स्वयं का मूल्यांकन करने के तरीक़े मुहैया करा रहे हैं।

पढ़ाने के बाद: प्रमाण एकत्रित करना और उसकी व्याख्या करना, और आगे की योजना बनाना

जब सीखने–सिखाने की प्रक्रिया चल रही हो और कक्षा-कार्य और गृह-कार्य निर्धारित करने के बाद, ज़रूरी है कि:

- इस बात का पता लगाएँ कि आपके छात्र–छात्रा कितनी अच्छी तरह कार्य कर रहे हैं
- इसे अगले पाठ के लिए अपनी योजना सूचित करने के लिए उपयोग में लाएँ
- छात्र–छात्राओं को प्रतिक्रिया दें।

मूल्यांकन की चार प्रमुख स्थितियों की नीचे चर्चा की गई है।

सूचना या प्रमाण एकत्रित करना

प्रत्येक छात्र–छात्रा, स्वयं अपनी गति और शैली में, विद्यालय के अंदर और बाहर अलग प्रकार से सीखता है। इसलिए, छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन करते समय आपको दो चीज़ें करनी होंगी:

- विविध सूत्रों से जानकारी एकत्रित करें - स्वयं अपने अनुभव से, छात्र–छात्रा, अन्य छात्र–छात्राओं, अन्य शिक्षक/शिक्षिकाओं, अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों से।
- छात्र–छात्राओं का व्यक्तिगत रूप से, जोड़ों में और समूहों में मूल्यांकन करें, तथा स्व-मूल्यांकन को बढ़ावा दें। अलग विधियों का प्रयोग महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई एक पद्धति आपके वह सभी जानकारी उपलब्ध नहीं कराती, जिसकी आपको ज़रूरत है। छात्र–छात्राओं के सीखने और प्रगति के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के विभिन्न तरीक़ों में शामिल हैं, देखना, सुनना, विषयों और प्रकरणों पर चर्चा, तथा लिखित वर्ग और गृह-कार्य की समीक्षा करना।

अभिलेखन

भारत भर के सभी विद्यालयों में रिकॉर्डिंग का सबसे आम स्वरूप रिपोर्ट कार्ड के उपयोग के माध्यम से होता है, लेकिन इसमें आपको एक छात्र–छात्रा के सीखने या व्यवहार के सभी पहलुओं को रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं हो सकती है। इस काम को करने के कुछ सरल तरीक़े हैं, जिन पर भी आप विचार कर सकते हैं, जैसे कि:

- सीखना–सिखाने की प्रक्रिया के समय जो आप देखते हैं उसे डायरी/नोटबुक/रजिस्टर में नोट करना
- छात्र–छात्राओं के कार्य के नमूने (लिखित, कला, शिल्प, परियोजनाएँ, कविताएँ आदि) पोर्टफ़ोलियो में रखना
- प्रत्येक छात्र–छात्रा का प्रोफ़ाइल तैयार करना
- छात्र–छात्राओं की किन्हीं असामान्य घटनाओं, परिवर्तनों, समस्याओं, शक्तियों और शिक्षण प्रमाणों को नोट करना।

प्रमाण की व्याख्या

जैसे ही सूचना और प्रमाण एकत्रित और अभिलिखित हो जाए, उसकी व्याख्या करना ज़रूरी है, ताकि यह समझ सकें कि प्रत्येक छात्र–छात्रा किस प्रकार सीख रहा है और प्रगति कर रहे हैं, इस पर सावधानी से विचार करने और विश्लेषण की आवश्यकता है। फिर आपको शिक्षण में सुधार करने, संभवतः छात्र–छात्राओं को फ़ीडबैक देकर या नए संसाधनों की खोज करके, समूहों को पुनर्व्यवस्थित करके, या शिक्षण बिंदु को दोहरा कर अपने निष्कर्षों पर कार्य करने की आवश्यकता है।

सुधार के लिए योजना बनाना

मूल्यांकन, विशिष्ट और विभेदक शिक्षण गतिविधियों की स्थापना द्वारा प्रत्येक छात्र–छात्रा को सार्थक रूप से सीखने के अवसर प्रदान करने, अधिक मदद के लिए ज़रूरतमंद छात्र–छात्राओं पर ध्यान देने और अधिक उन्नत छात्र–छात्राओं को चुनौती देते हुए सार्थक शिक्षण अवसर उपलब्ध कराने में आपकी मदद कर सकते हैं।

संसाधन 3: एन फ्रैंक की डायरी से

The text in this resource is taken from Chapter 4 of the NCERT Class X textbook *First Flight*. It discusses an extract from Anne Frank's diary,

Thinking about the text

1. Anne right when she said that the world would not be interested in the musings of a thirteen-year-old girl?
2. There are some examples of diary or journal entries in the 'Before You Read' section. Compare these with what Anne writes in her diary. What language was the diary originally written in? In what way is Anne's diary different?
3. Why does Anne need to give a brief sketch about her family? Does she treat 'Kitty' as an insider or an outsider?

4. How does Anne feel about her father, her grandmother, Mrs Kuperus and Mr Keesing? What do these tell you about her?
5. What does Anne write in her first essay?
6. Anne says teachers are most unpredictable. Is Mr Keesing unpredictable? How?
7. What do these statements tell you about Anne Frank as a person?
   i. 'We don't seem to be able to get any closer, and that's the problem. Maybe it's my fault that we don't confide in each other.'
   ii. 'I don't want to jot down the facts in this diary the way most people would, but I want the diary to be my friend.'
   iii. 'Margot went to Holland in December, and I followed in February, when I was plunked down on the table as a birthday present for Margot.'
   iv. 'If you ask me, there are so many dummies that about a quarter of the class should be kept back, but teachers are the most unpredictable creatures on earth.'
   v. 'Anyone could ramble on and leave big spaces between the words, but the trick was to come up with convincing arguments to prove the necessity of talking.'

Thinking about language

I. Look at the following words.

headmistress long-awaited homework notebook stiff-backed outbursts

These words are compound words. They are made up of two or more words. Compound words can be:

- nouns: 'headmistress', 'homework', 'notebook', 'outbursts'
- adjectives: 'long-awaited', 'stiff-backed'
- verbs: 'sleep-walk', 'baby-sit'.

Match the compound words under 'A' with their meanings under 'B'.

Use each in a sentence.

A	B
Heartbreaking	Obeying and respecting the law
Homesick	Think about pleasant things, forgetting about the present
Blockhead	Something produced by a person, machine or organization
Law-abiding	Producing great sadness
Overdo	An occasion when vehicles/machines stop working
Daydream	An informal word which means a very stupid person
Breakdown	Missing home and family very much
Output	Do something to an excessive degree

II. Phrasal verbs

A phrasal verb is a verb followed by a preposition or an adverb. Its meaning is often different from the meanings of its parts. Compare the meanings of the verbs get on and run away in (a) and (b) below. You can easily guess their meanings in (a) but in (b) they have special meanings.

a. She got on at Agra when the bus stopped for breakfast.
   Dev Anand ran away from home when he was a teenager.
b. She's eager to get on in life. (succeed)
   The visitors ran away with the match. (won easily)

Some phrasal verbs have three parts: a verb followed by an adverb and a preposition.

c. Our car ran out of petrol just outside the city limits.
d. The government wants to reach out to the people with this new campaign.

1. The text you've just read has a number of phrasal verbs commonly used in English. Look up the following in a dictionary for their meanings (under the entry for the italicised word).
   i. plunge (right) in
   ii. kept back
   iii. ramble on
   iv. get along with
2. Now find the sentences in the lesson that have the phrasal verbs given below. Match them with their meanings. (You have already found out the meanings of some of them.) Are their meanings the same as that of their parts? (Note that two parts of a phrasal verb may occur separated in the text.)
   i. plunge in – speak or write without focus
   ii. kept back – stay indoors
   iii. move up – make (them) remain quiet
   iv. ramble on – have a good relationship with
   v. get along with – give an assignment (homework) to a person in authority (the teacher)
   vi. calm down – compensate
   vii. stay in – go straight to the topic
   viii. make up for – go to the next grade
   ix. hand in – not promoted

संसाधन 4: अनुश्रवण (monitoring) करना और फीडबैक देना

छात्र–छात्राओं के कार्यप्रदर्शन में सुधार करने में लगातार अनुश्रवण करना और उन्हें प्रतिक्रिया देना शामिल होता है, ताकि उन्हें पता रहे कि उनसे क्या अपेक्षित है और उन्हें कामों का पूरा करने पर प्रतिक्रिया प्राप्त हो। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया के माध्यम से वे अपने कार्यप्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

अनुश्रवण करना

प्रभावी शिक्षक/शिक्षिका अधिकांश समय अपने छात्र–छात्राओं का अनुश्रवण करते हैं। सामान्य तौर पर, अधिकांश शिक्षक/शिक्षिका अपने छात्र–छात्राओं के काम का अनुश्रवण वे कक्षा में जो कुछ करते हैं उसे सुनकर और देखकर करते हैं। छात्र–छात्राओं की प्रगति का अनुश्रवण करना महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे उन्हें निम्नलिखित में मदद मिलती है:

- अधिक ऊँचे ग्रेड प्राप्त करना
- अपने कार्यप्रदर्शन के बारे में अधिक सजग रहना और अपनी सीखने की प्रक्रिया के प्रति अधिक जिम्मेदार होना
- अपनी सीखने की प्रक्रिया में सुधार करना
- प्रादेशिक और स्थानीय मानकीकृत परीक्षाओं में उपलब्धि का पूर्वानुमान करना।

इससे आपको एक शिक्षक के रूप में निर्णय करने में भी मदद मिलती है:

- कब प्रश्न पूछें या प्रोत्साहित करें
- कब प्रशंसा करें
- चुनौती दें या नहीं
- एक काम में छात्र–छात्राओं के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करें
- गलतियों के विषय में क्या करें।

छात्र–छात्रा सबसे अधिक सुधार तब करते हैं जब उन्हें उनकी प्रगति के बारे में स्पष्ट और शीघ्र प्रतिक्रिया दी जाती है। अनुश्रवण (monitoring) करने का उपयोग करना, आपको छात्र–छात्राओं को बताने कि वे कैसे काम कर रहे हैं और उनके सीखने की प्रकिया को उन्नत करने में उन्हें किस अन्य चीज की जरूरत है, इस बारे में नियमित प्रतिक्रिया देने में सक्षम करेगा।

आपके सामने आने वाली चुनौतियों में से एक होगी अपने छात्र–छात्राओं की उनके स्वयं के सीखने के लक्ष्यों को तय करने में मदद करना, जिसे स्व-अनुश्रवण भी कहा जाता है। छात्र–छात्रा, विशेष तौर पर, कठिनाई अनुभव करने वाले छात्र–छात्रा, अपनी स्वयं की सीखने की प्रक्रिया का बोझ उठाने के अभ्यस्त नहीं होते हैं। लेकिन आप किसी परियोजना के लिए अपने स्वयं के लक्ष्य या उद्देश्य तय करने, अपने काम की योजना बनाने और समय सीमाएं तय करने, और अपनी प्रगति की स्व-अनुश्रवण करने में किसी भी छात्र–छात्रा की मदद कर सकते हैं। स्व-अनुश्रवण के कौशल की प्रक्रिया का अभ्यास और उसमें महारत हासिल करना उनके लिए विद्यालय और उनके सारे जीवन में उपयोगी साबित होगा।

छात्र–छात्राओं की बात सुनना और प्रेक्षण करना

अधिकांश समय, शिक्षक/शिक्षिका स्वाभाविक रूप से छात्र–छात्राओं की बात सुनते और उनका प्रेक्षण करते हैं; यह अनुश्रवण करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए, आप:

- अपने छात्र–छात्राओं को ऊँची आवाज में पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों या समूहकार्य में चर्चाएं सुन सकते हैं
- छात्र–छात्राओं को कक्षा के बाहर या कक्षा में संसाधनों का उपयोग करते देख सकते हैं
- समूहों के काम काम करते समय उनकी शारीरिक भाषा का प्रेक्षण कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो विचार एकत्रित करते हैं वे छात्र–छात्राओं के सीखने की प्रक्रिया या प्रगति का सच्चा प्रमाण हो। सिर्फ वही बात रिकार्ड करें जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, उचित सिद्ध कर सकते हैं या जिस पर आप विश्वास कर सकते हैं।

जब छात्र–छात्रा काम करें, तब कमरे में घूमें और संक्षिप्त प्रेक्षण नोट्स बनाएं। आप कक्षा सूची का उपयोग करके दर्ज कर सकते हैं कि किन छात्र–छात्राओं को अधिक मदद की जरूरत है, और किसी भी उभरती गलतफहमी को भी नोट कर सकते हैं। इन प्रेक्षणों और नोट्स का उपयोग आप सारी कक्षा को प्रतिक्रिया देने या समूहों अथवा व्यक्ति विशेष को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए कर सकते हैं।

फीडबैक देना

फीडबैक वह जानकारी होती है जो आप किसी छात्र–छात्रा को यह बताने के लिए देते हैं कि उन्होंने किसी घोषित लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के संबंध में कैसा कार्य किया है। प्रभावी फीडबैक छात्र–छात्रा को:

- जानकारी देती है कि क्या हुआ है
- इस बात का मूल्यांकन देती है कि कोई कार्यवाही या काम कितनी अच्छी तरह से किया गया
- मार्गदर्शन देती है कि कार्यप्रदर्शन को कैसे सुधारा जा सकता है।

जब आप प्रत्येक छात्र–छात्रा को फीडबैक देते हैं, तब उसे यह जानने में उनकी मदद करनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं
- वे अभी क्या नहीं कर सकते हैं
- उनका काम अन्य लोगों की तुलना में कैसा है
- वे कैसे सुधार कर सकते हैं।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रभावी फीडबैक छात्र–छात्राओं की मदद करती है। आप नहीं चाहते कि आपकी फीडबैक के अस्पष्ट या अन्यायपूर्ण होने के कारण सीखने की प्रक्रिया में कोई रूकावट आए। प्रभावी फीडबैक:

- **हाथ में लिए गए काम और छात्र–छात्रा द्वारा सीखी जा रही बात पर संकेंद्रित** होती है
- **स्पष्ट और ईमानदार** होती है, और छात्र–छात्रा को बताती है कि उसके सीखने की प्रक्रिया के बारे में क्या अच्छी बात है और उसे कहाँ सुधार करना चाहिए
- **कार्यवाही के योग्य** होती है, और छात्र–छात्रा को ऐसा कुछ करने को कहती है जिसे करने में वे सक्षम होते हैं
- छात्र–छात्रा के समझ सकने योग्य उपयुक्त **भाषा** में दी जाती है
- **सही समय** पर दी जाती है – यदि वह बहुत जल्दी दी गई तो छात्र–छात्रा सोचेगा 'मैं यही तो करने जा रहा था!'; बहुत देर से दी गई तो छात्र–छात्रा का ध्यान और कहीं चला जाएगा और वह वापस लौटकर वह नहीं करना चाहेगा जिसके लिए उसे कहा गया है।

फीडबैक चाहे बोली जाए या छात्र–छात्राओं की वर्कबुकों में लिखी जाए, वह तभी अधिक प्रभावी होती है यदि वह नीचे दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करती है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले काफी अधिक बेहतर महसूस करते हैं, जबकि हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा को विशिष्ट और स्वयं छात्र–छात्रा की बजाय किए गए काम पर लक्षित होना चाहिए, अन्यथा वह छात्र–छात्रा की प्रगति में मदद नहीं करेगी। 'शाबाश' अविशिष्ट शब्द है, इसलिए निम्नलिखित में से कोई बात कहना बेहतर होगा:

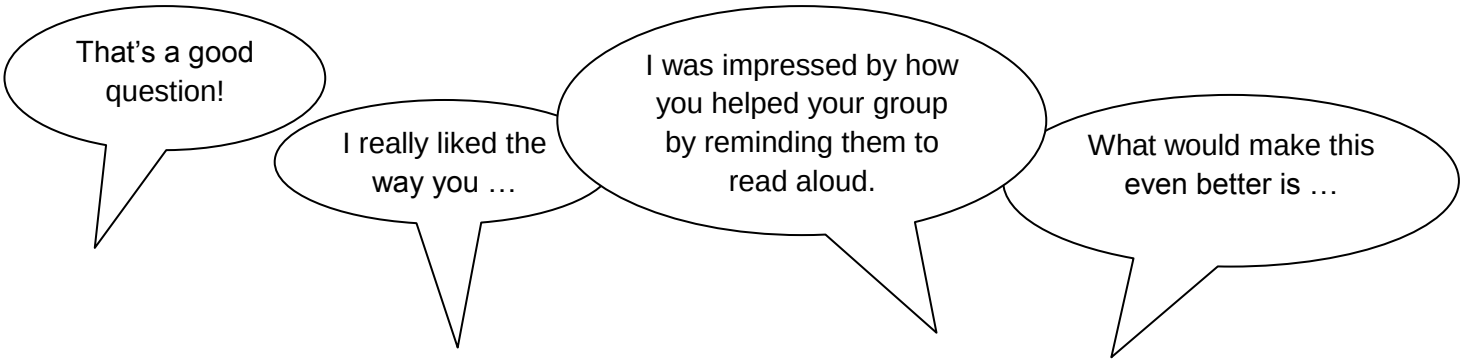

संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना

अपने छात्र–छात्राओं के साथ आप जो बातचीत करते हैं वह उनके सीखने की प्रक्रिया में मदद करती है। यदि आप उन्हें बताते हैं कि उनका उत्तर गलत है और संवाद को वहीं समाप्त कर देते हैं, तो आप सोचने और स्वयं प्रयास करने में उनकी मदद करने का अवसर खो देते हैं। यदि आप छात्र–छात्राओं को संकेत देते हैं या आगे कोई प्रश्न पूछते हैं, तो आप उन्हें अधिक गहराई से सोचने को प्रेरित करत`हैं और उत्तर खोजने तथा अपने स्वयं के सीखने का दायित्व लेने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। उदाहरण के लिए, आप बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहित या किसी समस्या पर किसी अलग दृष्टिकोण को प्रेरित करने के लिए निम्नलिखित जैसी बातें कह सकते हैं:

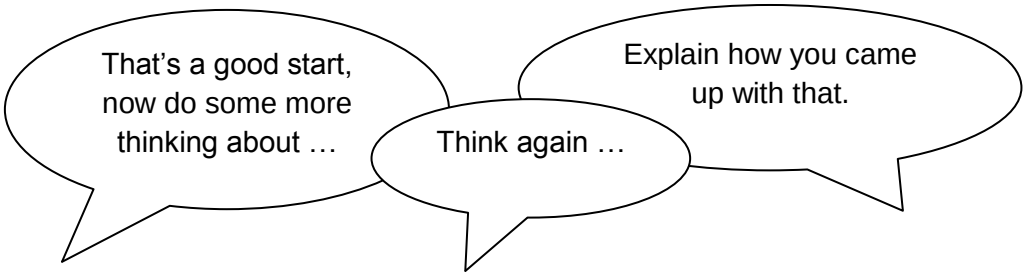

दूसरे छात्र–छात्राओं को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना उपयुक्त हो सकता है। आप यह काम निम्नलिखित जैसी टिप्पणियों के साथ शेष कक्षा के लिए अपने प्रश्नों को प्रस्तुत करके कर सकते हैं:

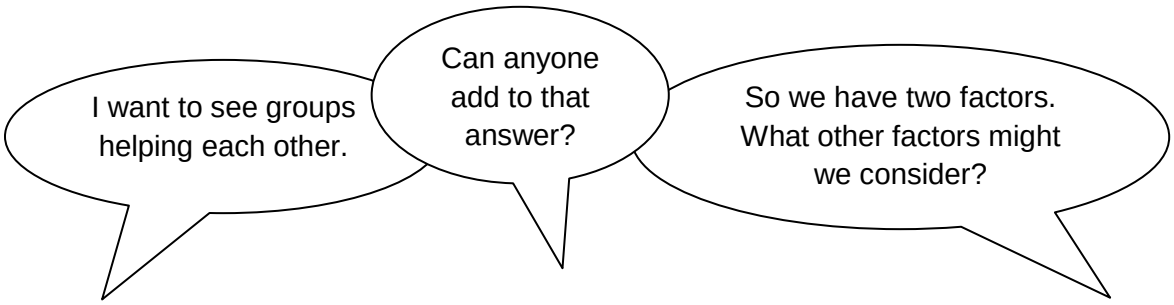

छात्र–छात्राओं को हां या नहीं के साथ सुधारना स्पेलिंग या संख्या के अभ्यास की तरह के कामों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन यहां पर भी आप छात्र–छात्राओं को उभरते प्रतिमानों पर नजर डालने या समान उत्तरों से संबंध बनाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं या चर्चा शुरू कर सकते हैं कि कोई उत्तर गलत क्यों है।

स्वयं सुधार करना और समकक्षों से सुधार करवाना प्रभावी होता है और आप इसे छात्र–छात्राओं से दिए गए कामों को जोड़ियों में करते समय स्वयं अपने और एक दूसरे के काम की जाँच करने को कहकर प्रोत्साहित कर सकते हैं। एक समय में एक पहलू को सही करने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे अच्छा होता है ताकि भ्रम में डालने वाली ढेर सारी जानकारी न हो।

संसाधन 5: अपने छात्र–छात्राओं के पढ़ने और सुनने के कौशल का मूल्यांकन करने की योजना बनाना

तालिका R5.1 *आपके छात्र–छात्राओं के सुनने और पढ़ने के कौशल का मूल्यांकन करने की योजना बनाने के लिए एक भरा हुआ फार्म (देखें गतिविधि 2/तालिका 3)।*

कक्षा और अध्याय	Class X. Chapter 8: Mijbil the Otter (NCERT Class X textbook: *First Flight*)

सप्ताह	गतिविधि	मैं इस गतिविधि के दौरान छात्र–छात्राओं का मूल्यांकन किन तरीकों से करूँगा?	एक प्रतिक्रिया के रूप में मैं अपने शिक्षण को कैसे संशोधित करूँगा?
1	छात्र–छात्रा किताबें बंद रखकर पहला पाठ सुनते हैं। वे पालतू जानवर रखते समय विचारणीय महत्वपूर्ण बातों के नोट्स बनाते हैं। वे अपने नोट्स पर जोड़ियों में चर्चा करते हैं।	ऊँची आवाज में पढ़ते समय कमरे में घूमें और कुछ छात्र–छात्राओं को नोट्स बनाते और चर्चा करते समय देखें। डायरी में प्रेक्षणों के बारे में नोट्स दर्ज करें। यदि छात्र–छात्राओं को यह कठिन लगता है, तो पाठ को दो या तीन बार फिर से पढ़ें।	कई छात्र–छात्राओं को पाठ के कुछ शब्द कठिन लगे। इनकी समीक्षा करें। इन शब्दों को बोर्ड पर लिखें और छात्र–छात्राओं से शब्दों का उपयोग करते हुए उनके अपने वाक्य लिखने को कहें।
2	छात्र–छात्रा कहानी का भाग 2 चुप रहकर पढ़ते हैं। वे तीन के समूहों में बोध संबंधी प्रश्नों पर चर्चा करते हैं और उनका उत्तर देते हैं।	जब छात्र–छात्रा बोध संबंधी प्रश्नों पर चर्चा करें और उनका उत्तर दें तब कमरे में घूमें। कुछ छात्र–छात्राओं के काम को वहीं पर ग्रेड करें, और उन्हें उसके बारे में प्रतिक्रिया दें। ग्रेडों और प्रेक्षणों के बारे में नोट्स डायरी में दर्ज करें।	छात्र–छात्राओं को कहानी का अच्छा ज्ञान है और वे पाठ में सही उत्तर खोज सके। कईयों को उनके अपने शब्दों में चीजें लिखने में समस्या हुई। छात्र–छात्राओं के आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए अधिक स्वतंत्र लेखन गतिविधियाँ आजमाएं।
3	छात्र–छात्रा कहानी का भाग 3 चुप रहकर पढ़ते हैं। वे अपनी घर की भाषा में वैयक्तिक रूप से सारांश लिखते हैं। गद्यांश पर बाद में पूरी कक्षा के रूप में चर्चा करें।	कई छात्र–छात्राओं से लिखित सारांश देने को कहें। छात्र–छात्राओं की कहानी की समझ के अनुसार सारांशों को ग्रेड करें। ग्रेडों को डायरी में दर्ज करें।	अधिकांश छात्र–छात्राओं ने पाठ को नहीं समझा। अगली कक्षा के लिए कोई अधिक आसान पाठ चुनें – ऐसा कोई जो उनके लिए अधिक दिलचस्प हो सकता है।
4	श्रुतिलेख (dictation)। छात्र–छात्रा कहानी का एक अनुच्छेद सुनते हैं और उसका सारांश बनाते हैं।	छात्र–छात्रा नोटबुकों की अदला-बदली करते हैं और कहानी के मूल अनुच्छेद का उपयोग करते हुए एक दूसरे के श्रुतलेखों को सही करते और ग्रेड देते हैं। जब छात्र–छात्रा ग्रेड दें, तब आसपास घूमें और कुछ ग्रेड देखें (या कुछ नोटबुकें एकत्र करें) और डायरी में ग्रेड नोट करें।	छात्र–छात्राओं को इस गतिविधि में मज़ा आया। तथापि, उन्होंने व्याकरण और विराम चिह्नों पर बहुत अधिक ध्यान दिया। मैं चाहती हूँ कि वे एक दूसरे की बात को समझने पर अधिक ध्यान दें। गतिविधि को दोहराएं और उनसे अर्थ पर ध्यान देने को कहें।

अतिरिक्त संसाधन

- The Central Board of Secondary Education's guide to CCE (continuous and comprehensive evaluation): http://www.cbse.nic.in/cce/index.html
- A discussion about assessment: http://www.teachingenglish.org.uk/article/assessment
- Ongoing assessment: http://www.teachingenglish.org.uk/article/ongoing-assessment-fun-not-fear

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Coombe, C., Folse, K. and Hubley, N. (2007) *A Practical Guide to Assessing English Language Learners*. Ann Arbor, MI: The University of Michigan Press.

National Council of Educational Research and Training (2005) *National Curriculum Framework*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/rightside/links/pdf/framework/english/nf2005.pdf (accessed 25 September 2014).

National Council of Educational Research and Training (2006) *First Flight: Textbook in English for Class X*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 13 October 2014).

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।